बीरांगना

बीरांगना

जगदीश प्रसाद मण्डल



पल्लवी प्रकाशन
बेरमा/निर्मली

BIRANGANA (बीरांगना)
One-Act Play by Shri Jagdish Prasad Mandal

ISBN: 978-93-87675-32-2
दाम: 100/- (भा.रु.)

तेसर संस्करण: 2023

प्रकाशक: पल्लवी प्रकाशन
तुलसी भवन, जे.एल.नेहरू मार्ग, वार्ड नं.: 06, निर्मली
जिला- सुपौल, बिहार: 847452
मुद्रक: पल्लवी प्रकाशन (मानव आर्ट)

वेबसाइट: http://pallavipublication.blogspot.com
ई-मेल: pallavi.publication.nirmali@gmail.com
मोबाइल: 6200635563; 9931654742

फोण्ट सोर्स: https://fonts.google.com/,
https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts
आवरण चित्र: श्रीमती पुनम मण्डल, निर्मली (सुपौल), बिहार: 847452
अक्षर संयोजन: डॉ. उमेश मण्डल

समर्पण

मिथिलाक वृन्दावनसँ लऽ कऽ बालुक ढेरपर
बैसल फुलवारी लगौनिहार एवम्
नव विहान अननिहारकेँ
समरपित

पुरुख पात्र-

1.	सोनमाकाका-	उम्र : 65 बर्ख
2.	चेथरू-	उम्र : 45 बर्ख
3.	जुगेसर-	उम्र : 50 बर्ख
4.	अयोधी-	उम्र : 30 बर्ख
5.	जीवन-	उम्र : 35 बर्ख

स्त्री पात्र-

1.	रूपनी-	उम्र : 60 बर्ख
2.	कुशेसरी-	उम्र : 50 बर्ख
3.	कोशिला-	उम्र : 22 बर्ख

पहिल दृश्य-

(अपन-अपन आँगनसँ निकैल रस्ताक भकमोड़ीपर ठाढ़ भऽ...)

सोनमाकाका- सुनै छी जे रमफलबा आएल हेन?

रूपनीदादी- सएह तँ सुनलौं मुदा तेहेन लोकक मुहेँ सुनलौं जे सुनियोँ कऽ अनबिसवासे अछि। तँए दोसर गोरेसँ भाँज लगबए विदा भेलौं।

चेथरू- नै-नै बात ठीके छिऐ।

सोनमाकाका- से तूँ केना बुझै छहक?

चेथरू- ओहन लोकक मुहेँ सुनलौं जेकरा मुहसँ असत् बात निकैलते ने छइ।

सोनमाकाका- जेकरा मुहेँ ओ सुनने हएत वएह जँ असत् कहने होइ, तखैन?

रूपनीदादी- से तँ भऽ सकै छइ। मुदा तहूमे भाँज छइ।

सोनमाकाका- से की भाँज छै?

चेथरू- से अहाँ नै बुझै छिऐ काका, जे देखलाहा बजैए ओ सत् होइ छै आ जे सुनलाहा रहै छै ओइमे दुनू होइ छइ।

सोनमाकाका- हँ से भऽ सकैए। केहेन लोकक मुहेँ सुनने छेलह?

चेथरू- दूधवाली मुहेँ सुनने छेलौं। वएह जे दूध बेच कऽ ओइ टोलसँ आएल छेलै, बाजलि रहए।

सोनमाकाका- उ तँ दूध बेचैमे लगल हएत आकि बात बुझै पाछू।

चेथरू- ओकरा अहाँ नीक जकाँ नै चिन्है छिऐ। कोनो की माछ-कौछ बेचैवाली छी जे पैरक औंठासँ पलड़ा दाबि उठा देबै आ घट्टी जोखि देबइ।

सोनमाकाका- दूधो बेचैवाली तँ पोखैरक पानियेँ मिला दइ छै, से।

चेथरू- हँ, से तँ होइ छइ। मुदा ओकर कारोबार रहै छै कएक दिन। बाढ़िक पानि जकाँ आएल आ पड़ाएल।

रूपनीदादी- हँ, से तँ देखै छिऐ जे जहियासँ काज धेलक तहियासँ ने ओकर दूधनप्पा फुच्ची फुटलै आ ने नाप-जोखक बदनामी कहियो लगलै।

चेथरू- (*अपन पक्ष मजबूत होइत देख, मुस्किया..*) दादी, बुढ़िया देखैमे ने एक चेराक बुझि पड़ैए मुदा गामेक नहि, घर-घरक रत्ती-बत्ती बात बुझैए।

सोनमाकाका- की सभ कहलकह?

चेथरू- बाजलि जे दिल्लीसँ मालिक अपना गाड़ीपर लादि कऽ पहुँचा गेल हेन।

सोनमाकाका- एतबे कहलकह आकि आगूओ किछु बजलह?

चेथरू- एतबे बजैमे तँ ओ अपन डाबासँ दूध नापि लोटामे दऽ देलक आ उठि कऽ विदा भेल।

सोनमाकाका- एहेन-एहेन बात तँ सेरिया कऽ ने लेबाक चाही।

चेथरू- जाइत काल एते बात भनभनाइत सुनलिऐ जे एकटा टाँग काटि कऽ पठा देलकै आ पान साए रुपैआसँ नोइस हेतै?

सोनमाकाका- एते पैघ बात आ कनियोँ अँटका कऽ नै पूछि लेलहक?

चेथरू- काका, ओइ बुढ़ियाकेँ की बुझै छिऐ, कोनो की हमरे ऐठामटा अबैए जे निचेनसँ गप-सप्प करब।

सोनमाकाका- तखैन?

चेथरू- ओ बुढ़िया फुच्चीए-फुच्ची दूधेटा लोककेँ दइ छै आकि मिसरियो घोड़ै छइ।

सोनमाकाका- से की?

चेथरू- हम की ओते बुझै छी जे तेना भऽ कऽ बुढ़ियाक सभ बात बुझि लेबै, तखैन तँ जेते काज रहैए ओते तँ भइए जाइए। दादी लगमे सभ दिन बैसैत देखै छिऐ।

रूपनीदादी- हँ, से तँ बैसबो करैए आ गामक तीत-मीठ गपो कहैए। मुदा घुरैकाल बैसैए, तँए अखैन भेँट नै केलक हेन।

सोनमाकाका- ऐ ततमतीसँ नीक जे ओकरा घरेपर पहुँच मुहाँ-मुहीं गप कऽ ली।

चेथरू- काका, तइले तीनू गोरे किए जाएब। असगरे जाइ छी, सभ बात बुझि कऽ सुनाइयो देब?

रूपनीदादी- सभ दिन तोँ चेथरू-के-चेथरूए रहि गेलेँ। पोता-पोती भेलौ से होश नै छौ।

चेथरू- दादी, एक ढाकीक के कहए जे सतरह ढाकी पोता-पोती भऽ जाएत तैयो अहाँ लगमे चेथरूए रहब। कोनो बात-विचारक जे जरूरत हएत तँ अहाँसँ नै पुछब, सोनमाकाकासँ नै पुछबैन तँ की बगूरक गाछ आकि पसीद गाछसँ पुछबै?

रूपनीदादी- देखहक चेथरू, हम अपना नजैरिये देखबो करब आ पुछबो करबै, तहिना तोहूँ सोनाइ भेलह किने?

चेथरू- तइ नजैरिये कहाँ कहलौं। तीनू गोरे जे एक्केटा काजमे बड़दैतौं, तइ दुआरे कहलौं।

रूपनीदादी- से बड़ बेस। मुदा काजक आँट-पेट नै बुझै छहक। कहैले सभ काजे छी, मुदा ओहूमे छोट-पैघ, नीक-अधला होइ छइ।

चेथरू- कनी परिछा कऽ कहियौ?

सोनमाकाका- ठीके चेथरू, तूँ कहियो पुरुख नै हेबह?

चेथरू- काका, अहाँ सने जे कोनो पुरुखपना काज करबै तइसँ पुरुख नै हेबै।

सोनमाकाका- पुरुखक संगी हेबहक। पुरुख तखैन हेबह जखैन अपने ठाढ़ भऽ आगूक डेग बढ़ेबह। अखैन दोसर-तेसर बात छोड़ह आ रमरूपाक भाँज नीक-नहाँति लगाबह।

चेथरू- जखैन अहाँ सबहक विचार अछि तखैन तीनू गोरे चलू।

(*तहीकाल आगूसँ जुगेसर अबैत..*)

सोनमाकाका- जुगे, केम्हर-केम्हरसँ एलह?

जुगेसर- काका, की कहब (*गुम्म होइत...*)

चेथरू- मुँहक बात दबलह किए? किछु भेलौं तँ हम सभ समाज भेलौं। न्यायालय भेलौं। अगर हमरा समाजक अंगक संग कोनो अन्याय दोसर समाज करत तँ ओ बरदाससँ बाहर अछि। की सोनमाकाका..?

सोनमाकाका- चेथरू, जे बात तूँ बजलह वएह गामक प्रतिष्ठा छी। मुदा, पाकल आम भेलिअ, सभ दारो-मदार तँ तोरे सभपर छह।

चेथरू- जुगे भाय, अहाँ तँ आँखिक देखल बाजब। रामरूपक की..?

जुगेसर- देखैबला दृश्य नइए। अपने रामरूप ओछाइनपर ओंघराएल अछि आ घरवाली ओछाइनिक निच्चाँमे ओंघरनिया दऽ रहल अछि। तीन सालक बच्चा झाँपल कपड़ा हटा-हटा पएर तकैए।

रूपनीदादी- बाप रे बाप! समाजक एकटा घर उजड़ि गेल।

जुगेसर- दादी, अहाँ नै जाउ। सोनमाकाका अहूँ नै जाउ।

सोनमाकाका- किए?

जुगेसर- ओहन दृश्य देखैक करेज आब नै रहल। हो-न-हो पहिलुके नजैरमे ने अपने..?

चेथरू- दादी, कहने तँ पहिने छेलौं, मुदा हमरा गपक मोजरे ने देलौं। आब कहू जे कोनो अनरगल कहने रही?

सोनमाकाका- हँ, से तँ बात मिलिये गेलह। मुदा एते बात बुझि कऽ तँ नै बाजल छलह? अच्छा, एतै बैस कऽ सभ बात कहऽ।

जुगेसर- ओतए तँ लोकक करमान लगल छइ। तहूमे धिया-पुता आ झोटहा भरि देने अछि। चुट्टी ससरैक जगह नै छइ।

सोनमाकाका- गप किछु कहऽ ने?

जुगेसर- कोनो बात की सोझ डारिये चलए दइए। एक तँ कार कौआक जेर जकाँ धिया-पुता काँइ-काँइ करैए तैपरसँ जनीजाति भिन्ने छाती पीटैए।

चेथरू- तैयो तँ भाँजपर किछु गप चढ़ले हेतह?

जुगेसर- हँ, एते उड़नतीए सुनलौं जे डरेवर जाइ काल बाजल जे कारखाना मालिक इलाजमे तीन लाख रुपैआ

खर्च केलखिन। पाँच साए खाइ-पीऐले, आ लत्ता-कपड़ा सेहो देलखिन।

रूपनीदादी- पान साए रुपैआ केते दिन चलतै। तहूमे सभटा लोथे भेल। जहिना रामरूप तहिना बच्चाक संग बच्चाक माइयो। केना वेचारी दुनूकेँ छोड़ि बोइन करए जाएत।

चेथरू- से तँ ठीके। मुदा दादी झोंटहा सबहक बिसवास कोन। बेटाकेँ जहर-माहूर खुआ देत आ घरबलाकेँ छोड़ि पड़ा दोसर घर चलि जाएत।

रूपनीदादी- सेहो होइए चेथरू। तोरो बात कटैबला नहियेँ छह मुदा एक्के दाबिये केना खिचड़ीयो रान्हवह आ खीरो। एकटामे नून पड़त एकटामे चिन्नी।

चेथरू- से तँ ठीके कहै छिऐ दादी। अहिना ने भालेसरोकेँ भेल। ओहो जे जमक गाछपर सँ खसि जाँघ तोड़लक आ डाक्टरो बुट्टी भिड़ा कऽ काटि देलकै। फेर ओ वेचारी (भालेसरक पत्नी) केना छह मसुआ बेटीक संग रहि ता जिनगी घरबलाक सेवा केलक।

सोनमाकाका- सोझहे सभ गप खिस्सा जकाँ सुनने नै हेतह चेथरू। ओना जुगेसर ठीके कहलकह। अखैन छोड़ि दहक। बेरू पहरमे चलब।

रूपनीदादी- हँ, हँ, एहेन-एहेन जगहपर नै गेने समाजक रसे की रहत। समाज तँ तखने ने समाज जखैन सबहक सुख-दुख संगे पोखैरमे नहाइ।

चेथरू- कनियेँ-कनियेँ जे सोचै छी दादी तँ बुझि पड़ैए जे समाजपर एकटा भार पड़ि गेल। ❑

दोसर दृश्य-

(अयोधीक दरबज्जा। दरबज्जाक ओछाइनिक एक कोनपर अयोधी बैसल दोसर कोनपर अयोधीक माए कुशेसरी बैसल..)

अयोधी- माए, आब की करब?

कुशेसरी- बौआ, आब छाती बदैल गेल। (आँखि मीड़ैत) धरमागती बात तोरा कहै छिअह।

अयोधी- अखैन जे तत्-खनात बेगरता आबि गेल पहिने से विचार दे। तखैन दोसर-तेसर सोखर सुनबिहैं।

कुशेसरी- बौआ, सएह कहै छिअह। लोकेक बेगरता लोककैं होइ छइ। मुदा..?

अयोधी- चुप किए भेलैं?

कुशेसरी- लोकक बोन अफ्रिकनो बोनसँ घनगर अछि। तूँ ई नै बुझिहह जे माए हमरा भाएकैं खून दइसँ रोकत। मुदा तइसँ पहिने जँ बुझैक जरूरत छह से कहए चाहै छिअह।

अयोधी- माए, जाबे पेटक बात निकालि नै फेकब, ताबे गैस्टिकक रोगी जकाँ छुटैए। जइसँ कोनो बात सुनैक मने ने होइए।

कुशेसरी- बाजह, पहिने तूँ अपने कोठी खलिया कऽ झाड़ि लैह तखैन जे आनो अन्न ओइमे देबहक तँ तैयो एकछहे रहत।

अयोधी- खनदान दिस तकै छी तँ सुमारक लगैए। जहिना परबाबा आन गामसँ आबि बसला तहिना एकघराक घर अखनो छीहे।

कुशेसरी- जहियासँ ऐ गाममे पएर रखलौं तहियासँ तँ गामो आ परिवारोकेँ देखते-सुनिते एलौं। मुदा तइसँ पहिलुका बात तँ बुझल नइए। बाजह?

अयोधी- परबाबा मात्रिकमे आबि कऽ बसल रहैथ। मात्रिकक डीह नीक डीह बुझलैन। गामक भागीन, तँए गामक बाट चिक्कन। केतौ खाधि पीछड़ नै।

कुशेसरी- आगूक पिढ़ी केना बढ़ल?

अयोधी- हुनका (परबाबाकेँ) दूटा बेटा आ दूटा बेटी भेलैन। परिवार गेना फूलक गाछ जकाँ झमटगर हुअ लगल। दुनू बेटी सासुर गेलैन। परिवारो नीक तँए समरस परिवार भेने समरस जीवन समरस सुख पाबि मुइला।

कुशेसरी- दुनू भाँइक परिवार?

अयोधी- दुनू भाँइयो आ माइयोक एहेन सोभाब रहैन जे कहियो कोनो बाते झगड़ा नै भेलैन। जेठका भायक बिआह धुमधामसँ भेलैन। मुदा छोटका तेहेन भाइयो, भौजाइयो आ माइयोक सहलोल भऽ गेलखिन जे बिआहे ने केलखिन।

कुशेसरी- परिवारक बात दुनू गोरे नै बुझौलखिन?

अयोधी- कहाँदन रहबो करथिन मैतछिन्नु जकाँ। कहियो झोंक चढ़ि जानि तँ भरि-भरि दिन, बिनु खेनौं-पिनौं कोदारीए भाँजैत रहि जाइ छेलखिन।

कुशेसरी- (*ठहाका मारि..*) मनुखदेवा ने तँ रहथिन?

अयोधी- एँह, ओतबे, कहियो झोंक चढ़नि तँ खैयो बेरमे पिढ़ियापर बैस रूसि रहैथ।

कुशेसरी- से किए?

अयोधी- (*हँसैत..*) ताबे तक रूसल रहैथ जाबे तक माए आगूमे नै आबि जानि। भाय-भौजाइक बातक कोनो मोजर नै।

कुशेसरी- माइयक बात मानि लेथिन?

अयोधी- माए आबि जखैन पुछथिन तँ कहैन जे बेटा बिनु माइयक सेवा केने खाइए ओ पापी छी। तँए पहिने

एक हाथ सेवा तोरा कऽ देबौ तखैन मुँहमे अन्न-पानि लेब। एकभग्गु लोक जकाँ?

कुशेसरी- एकभग्‌गु लोक जकाँ नहि, एकबट्टू लोक जकाँ।

अयोधी- हँ, हँ, तहिना।

कुशेसरी- पैछला पिढ़ीसँ तँ छीहे। बौआ छातीपर हाथ रखि कहै छिअह। ऐ घरमे भिनौज हमरे करौल छी। जे ओइ दिनमे नै बुझै छेलिऐ।

अयोधी- से आब केना बुझै छिही?

कुशेसरी- हम दुनू परानी टटके जुआएल रही आ भैया दुनू परानी ठमैक गेल रहैथ। मलिकाइन बनबाक इच्छा केकरा नै रहै छइ। हमरो लगल आ भिनौज करेलौं।

अयोधी मन हल्लुक भेल। आब विचार दैह जे रामरूपकेँ देहमे खून कम छै, ओ तँ हमरे खूनटा मिलै छइ।

कुशेसरी- जेतेक खगता छै तइसँ दोबर दहक। आ ईहो बुझि लैह जे एकटंगा भाइक भार अपने कपारपर अछि। *(तहीकाल सोनमाकाका, रूपनीदादी आ चेथरूक प्रवेश..। अयोधी सोनमाकाका आ चेथरूकेँ गोड़ लगलक। कुशेसरी रूपनीदादीकेँ गोड़ लागि विछानपर बैसा दुनू हाथे घुट्ठी दाबए लगलैन। जहिना*

धौना खसल सोनमाकाकाक तहिना रूपनियों दादीक आ चेथरूओक। सभ गुम-सुम भेल बैसल..)

चेथरू- अयोधी, भगवान तोरा ऊपर ठनका खसेलखुन। मुदा..?

(सोनमाकाका आँखि उठा करवनो अयोधीपर तँ करवनो कुशेसरीपर तँ करवनो निच्चाँ कऽ तरे-तर रामरूपक कटल टाँगपर आ करवनो रामरूपक स्त्रीपर दौगबैत...)

रूपनीदादी- छोड़ह ऐ जाँतब-पीचबकेँ। पहिने रामरूपकेँ देखा दए।

(रूपनीदादीकेँ बाँहि पकैड़ कुशेसरी आँगन लऽ गेलि..)

सोनमाकाका- रामरूप तँ पितिऔत भाए छिअह किने?

अयोधी- हँ।

सोनमाकाका- ओकरा परिवारमे के सभ छै?

अयोधी- अपने दुनू प्राणी अछि आ एकटा तीन सालक बेटा छइ।

सोनमाकाका- खेती-पथारी?

अयोधी- किछु ने। जँ से रहितै तँ अहिना परदेशसँ टाँग कटा घर अबैत।

चेथरू- एना भेलै केना?

अयोधी- सबटा अपन कपारक दोख होइ छइ। कोनो की इहएटा ओइ करखन्नामे काज करै छेलै आकि औरो गोरे।

चेथरू- काज कोन करै छेलै?

अयोधी- कहाँ दन, लोहा करखन्नामे काजे करैत काल एकटा गोलका गुरैक आबि कऽ जाँघेपर खसलै।

(*तहीबीच रूपनीदादी कुशेसरीक संग अबैत..*)

कुशेसरी- (*ऐबते..*) अहूँ दुनू गोरे अँगने चलि कऽ कनी देख ने लियौ?

चेथरू- दादी तँ देख कऽ एबे केली हेन, पहिने हिनकेसँ बुझि ली।

रूपनीदादी- (*छाती पीटैत..*) एहेन अतहतह नै देखने छेलौं। बाप रे बाप! मनुखक नक्शो बदैल गेल अछि। हे भगवान,

जखैन बिपैतिये देलहक तँ आरो किए ने बेसी कऽ देलहक जे दू-चारि मासमे लोक बिसैर जाइत।

सोनमाकाका- ओना अपना चसमसँ देखब नीके होइ छइ। मुदा किछु एहनो होइ छै जेकरा नहियेँ देखब नीक।

रूपनीदादी- पुरुखक जाइ जोकर आँगन नहियेँ अछि। वेचारी रामरूपक पत्नीकेँ ने नुआ-वस्त्रक ठेकान छै आ ने...।

चेथरू- तहूमे अपना सभ की कोनो ओझा-गुनी, डाक्टर छी जे लगसँ देखबे जरूरी अछि। अपनो सभ वएह देखब जे दादी कहती।

सोनमाकाका- घओपर नून छीटि विसतार करबसँ नीक नहियेँ देखब।

चेथरू- काका..?

सोनमाकाका- अखैन किछु बाजैक समय नै अछि। फेर आएब तखैन किछु आगूक बात विचारब।

चेथरू- काका एक तँ वेचाराकेँ अपना किछु ने छै तैपर अपने कोनो काजक नै रहल। जीवित शरीर तँ अन्न-पानि मंगबै करत। बिनु किछु केने-धेने केतेक दिन चलत।

सोनमाकाका- यएह सभ ने बुझै-विचारैक अछि। तूँ दुनू गोरे अयोधी एक्के गाछक बखलोइया छह। जही गाछक बखलोइया रहै छै ओही गाछमे ने सटबो करै छइ।

चेथरू- अयोधी, तेहेन दोरस हवा बहि गेल अछि जे चिनो-पहचिन भोतिया गेल अछि। जेना गाछमे देखैत हेबहक जे जे पात सुनटा गरे गाछक शोभा बढ़बैए वएह हवामे उनैट अपन असल रूप उनटा लइए।

अयोधी- भाय साहैब, अपना तँ ओते ऊहि नै अछि जे नीक अधला बात नीक जकाँ बुझबै मुदा एते अहाँ सबहक बीच बजै छी, जे देहक खुने नै ऐ देहसँ जेते भऽ सकतै तइमे पाछू नै हटब।

सोनमाकाका- बौआ, अखैन घरसँ बाहर धरिक सभ सोगाएल छी तँए, नीक जकाँ जिनगीकेँ नै बुझि सकब। ताबे अखैन जे जे जरूरी काज सभ अबैत जाइ छह तेकरा सम्हारैत चलह। पाँच-दस दिनक पछाइत निचेनसँ विचारि लेब।

रूपनीदादी- बौआ, समाजमे एक-सँ-एक अमीर आ एक-सँ-एक गरीब रहैए। मुदा समाजरूपी नाहपर केना जिनगीक समुद्र पार करैए।

चेथरू- दादी, जहिना समाजमे एक-दोसरक देखा-देखी आन्हरो-बहिर हँसैत-खेलैत जिनगी गुजारि लइए तहिना भगवान रामरूपोक परिवारकेँ पार लगौथिन।❑

तेसर दृश्य-

(ओसारपर कोशिला (रामरूपक पत्नी) बैसल, आँखिसँ नोरक टघार चलैत। आगूमे तीन बर्खक बेटा ठाढ़ भऽ हाथसँ नोर पोछैत..)

कुशेसरी- कनियाँ, कनैत-कनैत मरियो जेबह तैयो दुख मेटेतह। जखैन काँच बरतन ठाढ़ छी, हवा-विहाड़ि, पानि-पत्थर, सदासँ लगैत आएल आ आगूओ लैगते रहत। मुदा नान्हिटा बगरा-मेना कहाँ मेटा गेल। हम सभ तँ मनुख छी।

(आँखि उठा कोशिला कुशेसरीक निच्चाँसँ ऊपर निहारैत किछु बजैक विचार मनमे उठैत, मुदा स्पष्ट बोली नै फुटैत..)

कोशिला- क-अ... क...इ...इ...।

कुशेसरी- तूँ ने अँगनामे बैस कऽ भरि दिन कनैत रहै छह मुदा हम तँ मौगी सबहक गप्पो सुनै छी किने।

कोशिला- के की बजैए?

कुशेसरी- जेकरा जे मन फुरै छै से बाजैए। मुदा सुनबो करिहह तँ उत्तर नै दिहक। सुनि कऽ कानेमे समेट-समेट रखैत जहिहह।

कोशिला- ई की सुनलखिन?

कुशेसरी- घरक लोक छिअ तँए तोरा कहबे करबह। परिवारक कोनो गप परिवारक लोकसँ छिपाबी नै। छिपाबी ओतबे जे जेकरा बुझैक जरूरत नै होइ।

कोशिला- (*आँचरसँ आँखि-मुँह पोछैत.. आ कनी सक्कत होइत...*) की..इ...इ सुनलखिन? कनी नीक जकाँ कहथु?

कुशेसरी- औगता कऽ ने किछु सोचह आ ने किछु करह। भगवान समुद्र सन छाती देने छैथ। गीधक सरापे जँ गाए मरैत तँ वएह उपैट गेल रहितै।

कोशिला- किछो तँ बाजथु?

कुशेसरी- कनियाँ, मौगी सभ कुट्टी-चौल करैए जे एहेन जुआन मौगी टंगकट्टा घर...।

कोशिला- काकी, गरीब छी एकर माने ई नै ने जे मनुखे नै छी।

कुशेसरी- रूपनीदादीकेँ बजबै ले अयोधीकेँ पठौने छिऐ। ऐबते हेती। तखैन औरो गप करब।
(*रूपनीदादीक संग अयोधीक प्रवेश..*)
(*रूपनीदादीकेँ देखते कोशिला दुनू हाथे दुनू पएर छानि..*)

कोशिला- दादी, की ई सभ अपना नगरसँ बैलाइए देथिन?

रूपनीदादी-	कनियाँ, पएर छोड़ू। (*कोशिला पएर छोड़ि दैत...*) कनियाँ कान खोलि सुनि लिअ। ने केकरो भगौने कियो नगरसँ भागि सकैए आ ने दिन-राति कनलासँ दुख मेटा सकैए।
कुशेसरी-	एक लाखक गप कहलखिन दादी।
रूपनीदादी-	गपक मोल लाख नै होइए। होइए ओइ काजक जइमे ओ गप सटल रहैए। छुच्छे कनलासँ जँ होइतै तँ घरसँ बाहर धरि कानि-कानि लोक देवी-देवता तककेँ कहिते छैन। मुदा फल की होइ छै? (*दादीक आँखिपर कोशिला आँखि गड़ा..*)
कोशिला-	दादी, जे विधाता लिखलैन, ओ भोगब।
रूपनीदादी-	कनियाँ, अहाँकेँ तँ एकटा बेटो अछि, जे दस बर्खकबाद स्वामी तुल्य भऽ जाएत। तखैन तँ गनल कुटिया नापल झोर भेल। दस बर्खक दुख थोड़े बड़ भारी होइ छइ। अही माटि-पानिक सीता रावणक लंकामे अहूसँ बेसी दिन रहल रहैथ।
कोशिला-	(*मुस्कियाइत..*) दादी, हिनका सभक नजैर चाही।

रूपनीदादी- कनियाँ, हम सभ ओहन धरतीपर जनम लेने छी जे सदिकाल शक्ति उगलैत रहैए। तोरा तँ बेटो छह जे ओ पुबरिया पोखैर देखै छहक?

कोशिला- कोन दऽ कहै छैथन दादी। पीपरक गाछ लगहक, आकि परती लगहक?

रूपनीदादी- पीपरक गाछ लगहक। ओ पोखैर प्रेमा दीदीक खुनौल छिऐन। वेचारी बाल-विद्धव भऽ गेल छेली। गामक लोक केतबो हिलौलकैन-डोलौलकैन दोसर बिआह नै केलखिन।

कुशेसरी- सासुर नै बसलखिन?

रूपनीदादी- एक्को दिन सासुर नै गेल रहथिन। मुदा धैनवाद समाजकेँ दी जे वेचारीक जिनगीक ठौर धड़ा देलकैन आ तोहूसँ बेसी ओइ वेचारीकेँ धैनवाद दिऐन जे अपन माए-बापक पार उतारैत, जिनगीक अन्तिम समैमे पोखैर खुना समाजक सेवामे लगा कऽ मरली।

कुशेसरी- दादी, पहिलुका जुग-जमानाक परतर आब हेतै?

रूपनीदादी- किए ने हेतै।
(*कहि चुप भऽ किछु सोचए लगैत...*)

कोशिला-	चुप किए भेलखिन दादी। आगूओक किछु कहथुन?

रूपनीदादी-	(*गंभीर होइत..*) कनियाँ ने जुग-जमाना बदलल आ ने लोक बदलल।

कोशिला-	तखैन?

रूपनी-	बदलल लोकक विचार आ ओकर जिनगी।

कोशिला-	केना?

रूपनी-	सुनै छहक ने फल्लाँ गाम नीक आ फल्लाँ गाम अधला।

कोशिला-	हँ, से तँ सुनबे नै करै छी बिसाएलो अछि।

रूपनीदादी-	(*मुस्कियाइत..*) बिसाएलो छह! केना बिसाएल छह?

कोशिला-	तीन बहिनमे छोट हम छी। जेठकी बहिनक बिआह छतनाराहीमे ठीक भेल। कहाँदन बड़ सुन्नर घर-बर रहै मुदा बिआह नै भेलैन?

रूपनीदादी-	से किए?

कोशिला- घर-बर देख बाबू-काका दुनू भाँइ बिआहक सभ बात-विचार पक्का कऽ लेलैन। पक्का भेलापर मामासँ विचार करए मात्रिक गेला।

रूपनीदादी- बात-विचार करैसँ पहिने ने राय-विचार कऽ लइतैथ।

कोशिला- औगताइ भऽ गेलैन।

रूपनीदादी- की औगताइ?

कोशिला- दुनू भाँइ भोज खा कऽ घुमल रहैथ, बरी-तरकारी किछु बेसी खेने रहैथ। चालि पाबि पियास लगलैन। रस्ताकातमे इनार देख ठाढ़ भेला। मुदा डोल नै रहने पानि केना पीबतैथ।

रूपनीदादी- (मुस्की दैत..) तखैन की केलैन?

कोशिला- इनार लगसँ आगू बढ़ि एकटा दुआरपर जा जोरसँ हल्ला करैत डोल मंगलखिन। आँगनसँ एकटा अधवेसू डोल लेने बहराइत पुछलखिन।

रूपनीदादी- की पुछलखिन?

कोशिला- नाओं गाओं आ जाति।

रूपनीदादी- जाति मिलते ओ अधवेसू हँसैत बजला जखैन जाति-कुटुम छी तखैन एना अछोप जकाँ पानि पियाएब उचित हएत। पानि पीब बिआहक गप-सप्प पक्का भऽ गेल।

रूपनीदादी- हँ, तखैन तँ ठीके औगताइ भेल। मात्रिकक लोक की विचार देलकैन?

कोशिला- बेसी बात तँ नै बुझल अछि मुदा अधला गाम कहि मनाही केलकैन।

रूपनीदादी- कनियाँ एक्के गाम एक जातिक नीक होइए आ दोसराक अधला।

कोशिला- गाम तँ गामे होइए। फेर एना किए होइए।

रूपनीदादी- (*मुस्कियाइत, गंभीर होइत..*) कनियाँ, की कहबह आ केते कहबह। भगवान अखैन अपने फेरा लगा देलखुन। अपन दिन-दुनियाँक बात सोचह।

कुशेसरी- बेस कहलखिन दादी। ठनका ठनकै छै तँ लोक अपना मत्थापर हाथ दइए। मुदा तँए कि ठनका मानि जेतै आकि माथ परहक हाथसँ रोका जेतइ। लेकिन एकटा तँ होइए जे लोक अपन रच्छा अपना हाथे करए चाहैए।

रूपनीदादी- बेस कहलिऐ। एकटा बात तँ तरे पड़ि गेल।

कोशिला- से की?

रूपनीदादी- जुग-जमाना बदलैक बात उठल छेलै। ने दिन-राति बदललहेँ आ ने माटि-पानि, पहाड़। बदललहेँ लोकक आचार-विचार। एकटा बात तँ अपनो ठहकैए जे जेना पहिने समाजक धारणा छल तइमे बहुत बदलाव आएल हेन।

कुशेसरी- दादी, आब हमहूँ कम दिनक नै भेलौं। जहिया सासुर आएल रही तहिया जे लाज करैबला पुरुख छला, हुनकापर नजैर पड़िते जेना मुँह झपए लगै छेलौं तहिना हुनको सभक नजैर पड़िते या तँ निच्चाँ मुहेँ मुड़ी-गोंति लइ छला वा दोसर दिस तकए लगै छला।

रूपनीदादी- बेस कहलहक। हमहूँ बुढ़ भेलौं, आँखिक इजोतो घटि गेल, तैयो देखै छी तँ लाज होइए। अनेरे भगवान कोन सनतापे देखैले जिया कऽ रखने छैथ।

कुशेसरी- से की दादी एक्केटाकेँ कहबै। मर्द-औरत दुनूक चालि एकेरंग भऽ गेल अछि।

रूपनीदादी- खाएर, जे अछि जेतए अछि से तेतए रहऽ। (कोशिला दिस देख) कनियाँ, समाज बड़ पैघ दुनियाँ छी। जाबे मनुखकेँ प्राण रहत ताबे केतौ दुनियेँमे

रहत। एहेन बिपैत भगवान तोंरेटा नै देलखुन हेन, तोरा सन-सन बहुतो अछि।

कुशेसरी- दादी, सएह तँ दुनू माए-बेटा कहै छिऐ जे दुनू गोंरेक जड़ि एक्के अछि। देखै छिऐ जे सत्-सत् पिढ़ीक परिवार सभ अछि। हमरा तँ दुइए पिढ़ीक भेल हेन। तँए की दुनू दू भऽ गेल। ❑

अन्तिम दृश्य-

(अयोधी, कुशेसरी आ कोशिला ओसारपर बैसल।)

अयोधी- माए, जानियेँ कऽ तँ हम सभ गरीब छी तँ दुख केकरा हेतै। तोहूमे जँ हिम्मत हारिये देब तँ एक्को क्षण जीब पाएब।

कुशेसरी- ई कोनो नव गप छी। कर्ता पुरुखक ई दुनियाँ छी। कर्ता पुरुख जेहेन रहत ओ अपना सन दुनियाँ बना, बास करत।

अयोधी- (कोशिलासँ) देखू कनियाँ, जहिना अपना मनक मालिक कियो होइए। तहिना अहूँ छी। तँए अपन ऐगला जिनगीक रस्ता अपने धड़ए पड़त।

कुशेसरी- बेस कहलहक बौआ। जेना लोक सभकेँ देखै छिऐ जे चरि-चरिटा धिया-पुता छोड़ि दोसर घर चलि जाइए। तहिना जँ तोहूँ भागए चाहबह तँ कियो पकैड़ कऽ केते दिन रखि सकतह। मुदा?

कोशिला- मुदा की?

कुशेसरी- यएह जे अपना सबहक बाप-दादाक कएल कीर्ति मेटा रहल अछि।

कोशिला- कनी बुझा कऽ कहथु?

कुशेसरी- सभकेँ नीक-अधला काज करबाक छुट अछि। जेकरा जे मन फुरै छै से करैए। मुदा मनुख जानवर नहि, विवेकी जीव छी। तँए नीक-अधलाक विचार तँ करए पड़तै।

कोशिला- की नीक अधला?

कुशेसरी- जहिना अपन कर्तव्य पूरा केलापर मरद पुरुख बनैए तहिना स्त्रीगणो ने नारी। दुनूकेँ अपन-अपन काजक रस्ता छइ। रस्ताक संग किछु संकल्प छै, जे जिनगीकेँ जिनगी बनबै छइ।

कोशिला- नै बुझलयैन हिनकर बात?

कुशेसरी- देखहक, तोरा कियो खुटामे बान्हि कऽ नै रखि सकै छह मुदा अपन जिनगीक बान्हसँ बन्हि जरूर रहि सकै छह। ई तँ तोरे ने बुझए पड़तह जे हमरे दुआरे घरबला अपन टाँग गमा अधमरू भेल अछि। दुधमुहाँ बच्चा सेहो अछि, तैठीन कोन धरानी चलए पड़त।

(तही बीच जीवनक प्रवेश..)

अयोधी- (जीवनसँ) केतए रहै छी, किनकासँ काज अछि।

जीवन- ओना हमरो घर एही इलाका अछि मुदा रहै छी दिल्लीमे। हमरा कम्पनीमे रामरूप काज करै छला

हुनके परिवारसँ किछु खास विचार करए आएल छी।

अयोधी- हुनकर भाए हमहीं छिऐन। ओ तँ अपने ओछाइनपर पड़ल छैथ, उठि-बैस नहियेँ होइ छैन। तखैन बाजू, केहेन विचार करबाक अछि।

जीवन- कारखानाक मालिक राय-विचार लेल पठौलैन अछि।

अयोधी- कम्पनीक पठौल आदमी छी?

जीवन- हँ।

अयोधी- जखैन देहमे शक्ति छेलै, हाथ-पएर दुरूस छेलै तखैन तँ ओभर टाइमक लोभ देखा-देखा दिन-राति काज करा बेकम्मा बना घर पठा देलक। आ..?

जीवन- कम्पनीक जे निअम छै ओहि हिसाबे ने काज हएत?

अयोधी- निअम बनबैकाल काजो केनिहार (श्रमिक) सँ राय-विचार केने छेलिऐ?

जीवन- देखू, जहिना रामरूप कम्पनीक स्टाफ छला तहिना हमहूँ छी, तँए ऐ प्रश्नक उत्तर नै दऽ पएब।

अयोधी- तखैन?

जीवन- जे सभ सुविधा भेटै छै से सभ सुविधा हिनको (रामरूप) भेटतैन।

अयोधी- की सभ भेटतैन?

जीवन- इलाज करा देलैन। तत्काल पान साए रुपैआक संग घर पहुँचा देलकैन।

अयोधी- बस?

जीवन- नै। एतबे नै। जँ पत्नी काज करए चाहती तँ नौकरियो देतैन आ रामरूपक नाओंसँ एक लाखक बीमा सेहो कऽ देतैन जे मुइला पछाइत परिवारकेँ भेटतैन।

अयोधी- जीबैतमे की सभ भेटतैन?

जीवन- परिवारकेँ ओही दरमाहाक नोकरी आ रहैक डेरा।

अयोधी- हम सभ गामक समाजमे रहै छी, तँए आगू किछु करैसँ पहिने समाजसँ विचार लेब जरूरी अछि।

जीवन- बहुत बढ़ियाँ।

अयोधी- (माएसँ...) जाबे हम समाजक पाँच गोरेकेँ बजा अनै छी ताबे हिनका चाह जलखै करा दहनु।

कुशेसरी- बड़ बढ़ियाँ।

(अयोधी जाइए। अयोधीकेँ परोछ होइते कोशिला अधझँप्पु मुँह सोलहन्नी उघारि...)

कोशिला- जहिना सोलह-सोहल, अठारह-अठारह घण्टा पतिसँ काज लइ छेलौं तहिना ने हमरोसँ कराएब?

जीवन- (कनी गुम्म होइत..) की मतलब?

कोशिला- मतलब यएह जे जखैन सोलह-अठारह घण्टा करखन्नामे काज करब तखैन अपने करखन भानस-भात करब आ खा-पी अराम करब।

जीवन- एकरो जवाब नै देब।

कोशिला- (झपटैत..) एतबे नहि, जखैन अपनो जोकर समय अपने नै भेटत तखैन तीन बर्खक दूध-मुहाँ बच्चा आ अपंग पतिक सेवा करखन करब।

जीवन- (प्रलोभन दैत..) अहाँकेँ थोड़े करखन्नामे काज करए पड़त?

कोशिला- तब?

जीवन- अहाँकेँ कोठीएक काज भेटत। जेहने काज हल्लुक तेहने समैयोक। कोठीएमे रहैयोक बेवस्था रहत आ अपूछ खेनाइयो-पिनाइ हएत।

कोशिला- (किछु सहमैत..) जँ हमरा इज्जतक संग खेलबाड़ हएत तखैन के बँचौत?

जीवन- मालिकक नजैर सभपर रहै छैन। की मजाल छी जे एकटा माछियो-मच्छर, बिना हुनका पुछने कोठीक भीतर जा-आबि सकैए।

कोशिला- (आँखि टेढ़ करैत..) ई तँ बेस कहलौं जे बाहरसँ माछियो-मच्छर नै जा सकैए मुदा जँ कोठीक भीतरेक लोक..?

जीवन- ओना अहाँक शंका, किछु अंशमे ठीके अछि मुदा घनेरो औरत, जुआनसँ अधबेसू धरि, कोठीक भीतर काज करैए।

कुशेसरी- बजलौं तँ बेस बात। मुदा जहिना, ने सभ पुरुखक चालि-ढालि बेवहार एकरंग होइ छै तहिना तँ स्त्रीगणोक अछि। एक्के काजकेँ कियो खेल बुझैए कियो इज्जत।

(सोनमाकाका, चेथरूक संग अयोधीक प्रवेश..)

कोशिला- भने कक्को आ भैयौ आबिये गेला।

अयोधी- काका, दिल्लीसँ जीवन आएल छैथ।

सोनमाकाका- कनियाँ, की सभ जीवन कहै छैथ?

कोशिला- कहै छैथ जे अहाँकेँ नोकरी भेटत।

सोनमाकाका- अपन की विचार होइए। अपन जे विचार हएत सहए ने करब।

कोशिला- काका, हिनका सभकेँ किए बजौलयैन। जँ अपना विचारे करबाक रहैत तँ कऽ नेने रहितौं किने।

चेथरू- कनियाँ, अपन की विचार अछि, से तँ अपने ने बाजब।

कोशिला- भैया, ई सभ जे विचार देता सएह ने करब।

चेथरू- (जीवनसँ) जँ कनियाँ (कोशिला) नोकरी नै करै चाहैथ तखैन की सभ देबैन?

जीवन- अपना रहने जे सभ सुविधा भेटतैन ओ नै रहने थोड़े भेट पौतैन।

चेथरू- से की?

जीवन- तेते पैघ कारोबार अछि जे के केकरा देखत। सभकेँ अपने काज तेते छै जे केकरो दिस केकरो तकबाक पलखैत छइ।

चेथरू- गाममे रहनिहारि मुँह दुब्बरि औरतकेँ करखन्नाबला सभ मनुखो बुझैए।

सोनमाकाका- चेथरू बातकेँ अनेरे केते चेथाड़ै छह। छोड़ह ऐ सभकेँ। बाजू कनियाँ अहाँक की विचार अछि?

कोशिला- काका, सुनलाहा नै घरेबलाकेँ देखै छिऐन जे परिभुत्ता छेलैन ताबे गाए-महींस जकाँ लाठी देखा-देखा दुहैत रहलैन आ जखैन पैरभुत्ता घटलैन तखैन असमसानक मुरदा जकाँ उठा कऽ ऐठाम दऽ गेलैन। तहिना जँ..?

सोनमाकाका- नीक जकाँ सोचि-विचारि लिअ। गामक समाज मनुखकेँ छाती चढ़ा बसबैए, जे शहर-बजारमे थोड़े अछि।

कोशिला- हँ, ई तँ बेस कहलैथ काका।

सोनमाकाका- एतबे नै कनियाँ, आँखि उठा कऽ देखियौ, निसभेर रातिमे जँ केतौ चोर-चहार अबै छै आकि राजा-दैव होइ छै तँ जे जेतए सुनैए ओ ओतैसँ हल्ला करैत दौगैए। मुदा...।

कोशिला- मुदा की?

सोनमाकाका- की कहबह आ केते कहबह। मुदा बिना कहनौं तँ नहियेँ बुझबहक। शहर-बजारमे देखबहक जे ऊपरमे ठनका खसल अछि आ दोसर मुँह घुमा कऽ जा रहल अछि।

चेथरू- (बिच्चेमे..) काका, एना किए कहै छिऐ, एना ने कहियौ जे बच्चामे एक्के गाछ एकटा विशाल वृक्ष बनि जाइए आ दोसर लत्ती बनि ओहन भऽ जाइए जे अपने एक्को-हाथ ठाढ़ होइक तागैत नै रहै छै, मुदा माटिक सिनेह ओहन होइ छै जे वएह वृक्षक बाँहि पसारि ओइ लत्तीकेँ अपना ऊपर फुनगी धरि बढ़ैक रस्ता दइए।

सोनमाकाका- बेस कहलहक चेथरू। एकबेर तोहूँ अयोधी बाजह। कनियाँ अखैन पीड़िताएल छैथ तँ...।

अयोधी- काका, जहिना सभ दिन गामक खुट्टा मानैत एलौं तहिना अखनो मानै छी। हम सभ तँ गरीब छी समाजेक आशपर जीबै छी। ई कखनो नै मनमे अबैए जे बेर-बिपैत पड़त तँ समाज छोड़ि देत। तँए जे विचार देब तइमे एक्को-डेग पाछू नै खिंचब।

कोशिला- (उफनैत..) भैया, काका, बाबा समाजक सभ कियो। जाबे धरि कोशिलाक देहमे पैरभुत्ता रहतै ताबे धरि कहियो पएर पाछू नै करत। जइ दिन

पैरभुत्ता टुटतै तइ दिन समाजेमे भीख मांगब। भलें कियो भिक्षु किए ने कहए। ❑

समाप्त

जगदीश प्रसाद मण्डलजीक नियमित लेखन क्रम (दस वर्षक) प्रस्तुत अछि:

416. पाइक मोल- शब्द संख्या: 2412, तिथि: 22 दिसम्बर 2013
417. चोरूक्का झगड़ा- शब्द संख्या: 538, तिथि: 24 दिसम्बर 2013
418. अपसोच- शब्द संख्या: 548, तिथि: 26 दिसम्बर 2013
419. पतझाड़- शब्द संख्या: 2587, तिथि: 31 दिसम्बर 2013
419. झीसीक मजा- शब्द संख्या: 453, तिथि: 1 जनवरी 2014
420. मति-गति- शब्द संख्या: 1807, तिथि: 07 जनवरी 2014
421. रिजल्ट- शब्द संख्या: 2343, तिथि: 16 जनवरी 2014
422. अपन सन मुँह- शब्द संख्या: 5696, तिथि: 25 जनवरी 2014
423. सुमति- शब्द संख्या: 3072, तिथि: 30 जनवरी 2014
424. फेर पुछबैन- शब्द संख्या: 346, तिथि: 31 जनवरी 2014
425. माघक घूर- शब्द संख्या: 1683, तिथि: 06 फरवरी 2014
426. खर्च- शब्द संख्या: 330, तिथि: 07 फरवरी 2014
427. अखरा-दोखरा- शब्द संख्या: 342, तिथि: 10 फरवरी 2014
428. पेटगनाह- शब्द संख्या: 593, तिथि: 14 फरवरी 2014
429. बड़की माता- शब्द संख्या: 1224, तिथि: 18 फरवरी 2014
430. धरती-अकास- शब्द संख्या: 184 , तिथि: 19 फरवरी 2014
431. बकठाँइ- शब्द संख्या: 883, तिथि: 24 फरवरी 2014
432. चैन-बेचैन- शब्द संख्या: 936, तिथि: 09 मार्च 2014
433. हथियाएल खुरपी- शब्द संख्या: 645 , तिथि: 11 मार्च 2014
434. अलपुरिया बरी- शब्द संख्या: 287, तिथि: 12 मार्च 2014

435. नीक बोल- शब्द संख्या: 565, तिथि: 13 मार्च 2014

436. सुआद- शब्द संख्या: 624, तिथि: 14 मार्च 2014

437. गंगा नहेलौं- शब्द संख्या: 690, तिथि: 19 मार्च 2014

438. भोँटक गहमी- शब्द संख्या: 508, तिथि: 24 मार्च 2014

439. भँसैत नाह- शब्द संख्या: 597, तिथि: 26 मार्च 2014

440. पान पराग- शब्द संख्या: 1692, तिथि: 29 मार्च 2014

441. सिरमा- शब्द संख्या: 760, तिथि: 31 मार्च 2014

442. नौमीक हकार- शब्द संख्या: 1119, तिथि: 03 अप्रैल 2014

443. फोंक मकड़- शब्द संख्या: 1744, तिथि: 10 अप्रैल 2014

444. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 1252, तिथि: 14 अप्रैल 2014

445. अभिनव अनुभव- शब्द संख्या: 326, तिथि: 16 अप्रैल 2014

446. खोंटकर्मा- शब्द संख्या: 1184, तिथि: 19 अप्रैल 2014

447. किछु ने- शब्द संख्या: 503, तिथि: 22 अप्रैल 2014

448. झकास- शब्द संख्या: 1589, तिथि: 26 अप्रैल 2014

449. अप्पन-बीरान- शब्द संख्या: 2919, तिथि: 01 मई 2014

450. सजमनियाँ आम- शब्द संख्या: 611, तिथि: 04 मई 2014

451. अर्जुन रोग- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 7 मई 2014

452. गरदैन कट्टा बेटा- शब्द संख्या: 575, तिथि: 10 मई 2014

453. नैहराक धाड़- शब्द संख्या: 885, तिथि: 14 मई 2014

454. अवाक- शब्द संख्या: 1041, तिथि: 17 मई 2014

455. पोखैरक सैरात- शब्द संख्या: 923, तिथि: 20 मई 2014

456. दनियाँ डाबा- शब्द संख्या: 409, तिथि: 22 मई 2014

457. धरम काँट- शब्द संख्या: 395, तिथि: 23 मई 2014

458. पल भरि- शब्द संख्या: 1116, तिथि: 24 मई 2014

459. किरदानी- शब्द संख्या: 5309, तिथि: 14 जून 2014

460. सगहा- शब्द संख्या: 2860, तिथि: 22 जून 2014

461. अकाल- शब्द संख्या: 1238, तिथि: 24 जून 2014

462. उझट बात- शब्द संख्या: 1152, तिथि: 26 जून 2014

463. कर्जखौक- शब्द संख्या: 1175, तिथि: 2 जुलाई 2014
464. उनटन- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 6 जुलाई 2014
465. रेहना चाची- शब्द संख्या: 1307, तिथि: 9 जुलाई 2014
466. बुधनी दादी- शब्द संख्या: 1256, तिथि: 11 जुलाई 2014
467. अउतरित प्रश्न- शब्द संख्या: 1229, तिथि: 14 जुलाई 2014
468. हारि- शब्द संख्या: 1240, तिथि: 16 जुलाई 2014
469. सोनाक सुइत- शब्द संख्या: 1135, तिथि: 17 जुलाई 2014
470. मरुभूमि- शब्द संख्या: 1214, तिथि: 20 जुलाई 2014
471. असगरे- शब्द संख्या: 1557, तिथि: 24 जुलाई 2014
472. पुरनी नानी- शब्द संख्या: 1304, तिथि: 27 जुलाई 2014
473. कटा-कटी- शब्द संख्या: 1140, तिथि: 30 जुलाई 2014
474. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 1206, तिथि: 3 अगस्त 2014
475. गलती अपने भेल- शब्द संख्या:3386, तिथि: 06 अगस्त 2014
476. चोरक चोरबती- शब्द संख्या: 884, तिथि: 6 अगस्त 2014
477. घर तोड़ि देलिऐ- शब्द संख्या: 1527, तिथि: 10 अगस्त 2014
478. सजल स्मृति- शब्द संख्या: 2363, तिथि: 14 अगस्त 2014
479. सनेस- शब्द संख्या: 2654, तिथि: 16 अगस्त 2014
480. सए कच्छे- शब्द संख्या: 488, तिथि: 19 अगस्त 2014
481. एक मुठी घास- शब्द संख्या: 411, तिथि: 21 अगस्त 2014
482. करिछौंह मुँह- शब्द संख्या: 318, तिथि: 24 अगस्त 2014
483. पुरस्कार- शब्द संख्या: 2414, तिथि: 24 अगस्त 2014
484. गावीस मोइस- शब्द संख्या: 687, तिथि: 29 अगस्त 2014
485. मनकमना- शब्द संख्या: 6110, तिथि: 19 सितम्बर 2014
486. घरवास- शब्द संख्या: 4879, तिथि: 26 सितम्बर 2014
487. समधीन- शब्द संख्या: 6098, तिथि: 04 अक्टूबर 2014
488. चापाकलक पाइप- शब्द संख्या: 1616, तिथि: 7 अक्टूबर 2014
489. कलम हानि कऽ- शब्द संख्या: 2226, तिथि: 10 अक्टूबर 2014
490. लतियाएल जिनगी- शब्द संख्या: 1184, तिथि: 14 अक्टूबर 2014

491. गामक शकल-सूरत- शब्द संख्या: 2596, तिथि: 20 अक्टूबर 2014

492. जितिया पाबैन- शब्द संख्या: 3706, तिथि: 24 अक्टूबर 2014

493. सुखाएल सूरत- शब्द संख्या: 3690, तिथि: 30 अक्टूबर 2014

494. भैयारी हक- शब्द संख्या: 3131, तिथि: 4 नवम्बर 2014

495. ठकुआएल भुसवा- शब्द संख्या: 3335, तिथि: 13 नवम्बर 2014

496. खुदियाएल- शब्द संख्या: 2887, तिथि: 17 नवम्बर 2014

497. खटहा आम- शब्द संख्या: 3515, तिथि: 22 नवम्बर 2014

498. ढकरपेँच- शब्द संख्या: 3759, तिथि: 30 नवम्बर 2014

499. असहाज- शब्द संख्या: 2865, तिथि: 04 दिसम्बर 2014

500. समरथाइक भूत- शब्द संख्या: 3853, तिथि: 07 दिसम्बर 2014

501. विदाइ- शब्द संख्या: 5131, तिथि: 17 दिसम्बर 2014

502. खलओदार- शब्द संख्या: 735, तिथि: 19 दिसम्बर 2014

503. मनुखदेवा- शब्द संख्या: 1027, तिथि: 22 दिसम्बर 2014

504. उमेद- शब्द संख्या: 3643, तिथि: 31 दिसम्बर 2014

505. गलगर भैंस- शब्द संख्या: 3392, तिथि: 4 जनवरी 2015

506. जाड़ फाटि गेल- शब्द संख्या: 3328, तिथि: 9 जनवरी 2015

507. सुरता- शब्द संख्या: 3304, तिथि: 15 जनवरी 2015

508. असुध मन- शब्द संख्या: 2353, तिथि: 19 जनवरी 2015

509. धरमूदासक अखड़ाहा- शब्द संख्या: 1410, तिथि: 21 जनवरी 2015

510. ठोररंगू- शब्द संख्या: 1531, तिथि: 23 जनवरी 2015

511. लगबे ने कएल- शब्द संख्या: 1449, तिथि: 25 जनवरी 2015

512. उकड़ू समय- शब्द संख्या: 1467, तिथि: 27 जनवरी 2015

513. चास-बास दुनू गेल- शब्द संख्या: 1615, तिथि: 29 जनवरी 2015

514. चौरचनक दही- शब्द संख्या: 2095, तिथि: 31 जनवरी 2015

515. अपन मन अपन धन- शब्द संख्या: 1532, तिथि: 3 फरवरी 2015

516. टुटली मरैया- शब्द संख्या: 1951, तिथि: 7 फरवरी 2015

517. हकार- तिथि: 11 फरवरी 2015, शब्द संख्या: 1911

518. दहेजुआ गाए- शब्द संख्या: 1908, तिथि: 15 फरवरी 2015

519. मेटाइत जिनगी- शब्द संख्या: 2129, तिथि: 20 फरवरी 2015
520. धुर बुड़ि तोरा बजै ने अबै छौ!- शब्द संख्या:1996, तिथि: 23 फरवरी 2015
521. लेहाज- शब्द संख्या: 1906, तिथि: 26 फरवरी 2015
522. विचार हेरा गेल- शब्द संख्या: 1917, तिथि: 1 मार्च 2015
523. ओ दिन- शब्द संख्या: 1782, तिथि: 4 मार्च 2015
524. उरीन- शब्द संख्या: 3235, तिथि: 8 मार्च 2015
526. नहरकन्हा- शब्द संख्या: 1209, तिथि: 11 मार्च 2015
527. बटखौक- शब्द संख्या: 1272, तिथि: 14 मार्च 2015
528. पसेनाक धरम- शब्द संख्या: 1263, तिथि: 16 मार्च 2015
529. जेठुआ गरदा- शब्द संख्या: 1103, तिथि: 18 मार्च 2015
530. हँसीएमे उड़ि गेलौं- शब्द संख्या: 1243, तिथि: 20 मार्च 2015
531. बुड़िबकहा बुड़िबक बनौलक- शब्द संख्या: 1234, तिथि: 23 मार्च 2015
532. हमर बाइनिक विचार- शब्द संख्या: 1207, तिथि: 26 मार्च 2015
533. नोकरिहारा- शब्द संख्या: 1146, तिथि: 26 मार्च 2015
534. घसवाहि- शब्द संख्या: 1213, तिथि: 28 मार्च 2015
535. तेतर भाइक कविता- शब्द संख्या: 1319, तिथि: 1 अप्रैल 2015
536. छूआ- शब्द संख्या: 1223, तिथि: 6 अप्रैल 2015
537. दोसराइत- शब्द संख्या: 1270, तिथि: 9 अप्रैल 2015
538. लछनमान- शब्द संख्या: 1173, तिथि: 13 अप्रैल 2015
539. हमर कोन दोख- शब्द संख्या: 1527, तिथि: 17 अप्रैल 2015
540. मौसी- शब्द संख्या: 1393, तिथि: 21 अप्रैल 2015
541. नटकिया गति- शब्द संख्या: 1313 24 अप्रैल 2015
542. खाए चाहैए- शब्द संख्या: 1223, तिथि: 27 अप्रैल 2015
543. मधुमाछी- शब्द संख्या: 1892, तिथि: 07 मई 2015
544. दनगर घास- शब्द संख्या: 2775, तिथि: 13 मई 2015
545. सझिया खेती- शब्द संख्या: 3135, तिथि: 23 मई 2015
546. मुफतिया माल- शब्द संख्या: 3231, तिथि: 29 मई 2015
547. मथाहाथ- शब्द संख्या: 2923, तिथि: 02 जून 2015

548. पहपैट- शब्द संख्या: 1369, तिथि: 05 जून 2015
549. इजोरिया राति- शब्द संख्या: 1512, तिथि: 07 जून 2015
550. तीन जुगिया भाय- शब्द संख्या: 2010, तिथि: 12 जून 2015
551. अँगनेमे हेरा गेलौं- शब्द संख्या: 605, तिथि: 14 जून 2015
552. डकरा हाल- शब्द संख्या: 2529, तिथि: 17 जून 2015
553. जेतए जे हौउ- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 21 जून 2015
554. गठूलाक गारि- शब्द संख्या: 1532, तिथि: 25 जून 2015
555. कनी हमरो सुनू- शब्द संख्या: 1983, तिथि: 29 जून 2015
556. गामक बान्ह- शब्द संख्या: 2437, तिथि: 03 जुलाई 2015
557. गुड़ा खुद्दीक रोटी- शब्द संख्या: 2443, तिथि: 08 जुलाई 2015
558. सीरक गाछ- शब्द संख्या: 3071, तिथि: 13 जुलाई 2015
559. हरदीक हरदा- शब्द संख्या: 2924, तिथि: 19 जुलाई 2015
560. जाम- शब्द संख्या: 3355, तिथि: 29 जुलाई 2015
561. गण्डा- शब्द संख्या: 2304, तिथि: 5 अगस्त 2015
562. हाथी आ मूस- शब्द संख्या: 3016, तिथि: 11 अगस्त 2015
563. मुसरी आ घोड़ा- शब्द संख्या: 3625, तिथि: 17 अगस्त 2015
564. फलहार- शब्द संख्या: 2350, तिथि: 25 अगस्त 2015
565. भोरक झगड़ा- शब्द संख्या: 2697, तिथि: 31 अगस्त 2015
566. क्रियाशील- शब्द संख्या: 3395, तिथि: 13 सितम्बर 2015
567. आइ एम शॉरी- शब्द संख्या: 2927, तिथि: 23 सितम्बर 2015
568. ओऽ होऽ होऽ हूसि गेल- शब्द संख्या: 1025, तिथि: 29 सितम्बर 2015
569. मीनी भ्रष्टाचार- शब्द संख्या: 825, तिथि: 5 अक्टूबर 2015
570. गजपट खेती- शब्द संख्या: 1171, तिथि: 8 अक्टूबर 2015
571. समुद्री विद्या- शब्द संख्या: 787, तिथि: 11 अक्टूबर 2015
572. राकशे रहि गेलौं- शब्द संख्या: 959, तिथि: 12 अक्टूबर 2015
573. निनिया देवीक आराधना- शब्द संख्या: 679, तिथि: 13 अक्टूबर 2015
574. बताहे बताह बनौलक- शब्द संख्या: 574, तिथि: 15 अक्टूबर 2015
575. धोखा- शब्द संख्या: 1172, तिथि: 17 अक्टूबर 2015

576. खसैत गाछ- शब्द संख्या: 2234, तिथि: 22 अक्टूबर 2015

577. ठूठ गाछ- एक: शब्द संख्या: 1790, तिथि: 25 अक्टुबर 2015

578. ठूठ गाछ- दू: शब्द संख्या: 1203, तिथि: 29 अक्टुबर 2015

579. वैष्णवी भगवती- शब्द संख्या: 2099, तिथि: 01 नवम्बर 2015

580. ठूठ गाछ- तीन: शब्द संख्या: 999, तिथि: 04 नवम्बर 2015

581. ठूठ गाछ- चारि: शब्द संख्या: 1494, तिथि: 07 नवम्बर 2015

582. ठूठ गाछ- पाँच: शब्द संख्या: 2363, तिथि: 12 नवम्बर 2015

583. ठूठ गाछ- छह: शब्द संख्या: 1539, तिथि: 17 नवम्बर 2015

584. ठूठ गाछ- सात: शब्द संख्या: 3232, तिथि: 23 नवम्बर 2015

585. ठूठ गाछ- आठ: शब्द संख्या: 2780, तिथि: 01 दिसम्बर 2015

586. ठूठ गाछ- नअ 'क': शब्द संख्या: 2091, तिथि: 06 दिसम्बर 2015

587. ठूठ गाछ- नअ 'ख': शब्द संख्या: 1083, तिथि: 08 दिसम्बर 2015

588. ठूठ गाछ- नअ 'ग': शब्द संख्या: 1296, तिथि: 10 दिसम्बर 2015

589. ठूठ गाछ, दस- शब्द संख्या: 3304, तिथि: 16 दिसम्बर 2015

590. प्रीगर शत्रु- शब्द संख्या: 1087, तिथि: 26 दिसम्बर 2015

591. एगच्छा आमक गाछ- शब्द संख्या: 1172, तिथि: 31 दिसम्बर 2015

592. माघ नहाइले जाएब- शब्द संख्या: 2616, तिथि: 4 जनवरी 2016

593. एक घोंट पानि- शब्द संख्या: 2516, तिथि: 10 जनवरी 2016

594. एते दिन अपना-ले आब अनका-ले- शब्द: 3371, तिथि: 16 जनवरी 2016

595. माइक वचन- शब्द संख्या: 2999, तिथि: 21 जनवरी 2016

596. पान- शब्द संख्या: 3115, तिथि: 26 जनवरी 2016

597. आजुक जिनगीक आइ परीक्षा- शब्द: 1676, तिथि: 01 फरवरी 2016

598. शुभचिन्तक- शब्द संख्या: 3947, तिथि: 08 फरवरी 2016

599. करिछौन लाली- शब्द संख्या: 3000, तिथि: 13 फरवरी 2016

600. मोहरा- शब्द संख्या: 1223, तिथि: 15 फरवरी 2016

601. अपन पुरखाक डीह- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 17 फरवरी 2016

602. जेना हाथी रही- शब्द संख्या: 1245, तिथि: 20 फरवरी 2016

603. कठफल- शब्द संख्या: 1294, तिथि: 22 फरवरी 2016

604. गामे उपैट गेल- शब्द संख्या: 1680, तिथि: 25 फरवरी 2016

605. झूठे- शब्द संख्या: 1969, तिथि: 29 फरवरी 2016

606. लाही- शब्द संख्या: 2335, तिथि: 3 मार्च 2016

607. परतीहा खढ़- शब्द संख्या: 1667, तिथि: 6 मार्च 2016

608. उजगी- शब्द संख्या: 1079, तिथि: 9 मार्च 2016

609. हाथक जिनगी- शब्द संख्या: 983, तिथि: 14 मार्च 2016

610. गाछपर सँ खसला- शब्द संख्या: 2000, तिथि: 20 मार्च 2016

611. केतौ ने रहलौं- शब्द संख्या: 2103, तिथि: 25 मार्च 2016

612. अपने केलहा- शब्द संख्या: 2314, तिथि: 31 मार्च 2016

613. बत्तु- शब्द संख्या: 2244, तिथि: 10 अप्रैल 2016

614. कछमछी- शब्द संख्या: 2322, तिथि: 15 अप्रैल 2016

615. गैत-वीध- शब्द संख्या: 2424, तिथि: 21 अप्रैल 2016

616. दियरबा-भैंसुर- शब्द संख्या: 2089, तिथि: 29 अप्रैल 2016

617. एक दिन- शब्द संख्या: 2063, तिथि: 5 मई 2016

618. दुधियाएल बरखा- शब्द संख्या: 2059, तिथि: 11 मई 2016

619. गलफूलू- शब्द संख्या: 2117, तिथि: 14 मई 2016

620. बिटगरहा- शब्द संख्या: 1992, तिथि: 19 मई 2016

621. आब नइ आगि लगैए- शब्द संख्या: 1962, तिथि: 23 मई 2016

622. कटौज- शब्द संख्या: 1977, तिथि: 28 मई 2016

623. बाल बोध- शब्द संख्या: 2621, तिथि: 2 जून 2016

624. डभियाएल गाम- शब्द संख्या: 2483, तिथि: 6 जून 2016

625. एकबोलिया दादी- शब्द संख्या: 2189, तिथि: 11 जून 2016

626. मरियाएल मन- शब्द संख्या: 1921, तिथि: 17 जून 2016

627. त्राहि-कृष्ण- शब्द संख्या: 2900, तिथि: 23 जून 2016

628. कन्हा भँट्टा- शब्द संख्या: 2539, तिथि: 30 जून 2016

629. जिगेसा- शब्द संख्या: 3977, तिथि: 8 जुलाई 2016

630. गुलेती दास- शब्द संख्या: 5993, तिथि: 12 अगस्त 2016

631. भोलानाथ बाबा- शब्द संख्या: 2359, तिथि: 17 अगस्त 2016

632. दुरकाल- शब्द संख्या: 3189, तिथि: 22 अगस्त 2016
633. कलंक- शब्द संख्या: 2763, तिथि: 27 अगस्त 2016
634. अड़िकट्टा चोर- शब्द संख्या: 2077, तिथि: 31 अगस्त 2016
635. बगदल गाम- शब्द संख्या: 2405, तिथि: 6 सितम्बर 2016
636. बत्तीसोअना- शब्द संख्या: 890, तिथि: 8 सितम्बर 2016
637. कचहरिया रोग- शब्द संख्या: 1651, तिथि: 12 सितम्बर 2016
638. दिन घटि गेल- शब्द संख्या: 2425, तिथि: 5 अक्टूबर 2016
639. मुड़ियाएल घर- शब्द संख्या: 2352, तिथि: 11 अक्टूबर 2016
640. गामक सुरता- शब्द संख्या: 2265, तिथि: 19 अक्टूबर 2016
641. खतियाएल घर- शब्द संख्या: 2057, तिथि: 09 नवम्बर 2016
642. बात-कथा सुनौलक- शब्द संख्या: 1889, तिथि: 15 नवम्बर 2016
643. अनका बेर ओंघी- शब्द संख्या: 2233, तिथि: 20 नवम्बर 2016
644. देव उठान- शब्द संख्या: 2297, तिथि: 24 नवम्बर 2016
645. नमहर घरक चोरि- शब्द संख्या: 2397, तिथि: 28 नवम्बर 2016
646. भोरक सपना- शब्द संख्या: 1013, तिथि: 1 दिसम्बर 2016
647. बालमण्डली- शब्द संख्या: 1288, तिथि: 6 दिसम्बर 2016
648. धोखा केतए भेल- शब्द संख्या: 1053, तिथि: 09 दिसम्बर 2016
649. माघक चाह- शब्द संख्या: 1330, तिथि: 12 दिसम्बर 2016
650. भँसियाएल बाल-बोध- शब्द संख्या: 1306, तिथि: 15 दिसम्बर 2016
651. माघक घूर- शब्द संख्या: 1812, तिथि: 18 दिसम्बर 2016
652. पाही पट्टी- शब्द संख्या: 2370, तिथि: 25 दिसम्बर 2016
653. बीरांगना- शब्द संख्या: 1551, तिथि: 30 दिसम्बर 2016
654. स्मृति शेष- शब्द संख्या: 1941, तिथि: 6 जनवरी 2017
655. मनकेँ फुसलबै छी- शब्द संख्या: 1023, तिथि: 10 जनवरी 2017
656. चहकल विचार- शब्द संख्या: 4173, तिथि: 20 जनवरी 2017
657. विदाइ-दैछना- शब्द संख्या: 2312, तिथि: 25 जनवरी 2017
658. बीरांगना: 2- शब्द संख्या: 1992, 29 जनवरी 2017
659. पकिया चेला- शब्द संख्या: 1976, तिथि: 06 फरवरी 2017

660. कान फुटल कप- शब्द संख्या: 1595, तिथि: 09 फरवरी 2017

661. वर्थ डे- शब्द संख्या: 2535, तिथि: 16 फरवरी 2017

662. जानक मोल- शब्द संख्या: 2782, तिथि: 23 फरवरी 2017

663. गामक कटान- शब्द संख्या: 3115, तिथि: 01 मार्च 2017

664. कर्ज- शब्द संख्या: 3252, तिथि: 07 मार्च 2017

665. बेटीक लिलसा- शब्द संख्या: 2621, तिथि: 11 मार्च 2017

666. अपन गारि अपन दुआरि- शब्द संख्या: 2546, तिथि: 17 मार्च 2017

667. बेटीक पैरुख- शब्द संख्या: 2735, तिथि: 26 मार्च 2017

668. बेटीक कुभेला- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 31 मार्च 2017

669. अपन रोपल गाछी भुताहि- शब्द संख्या: 2619, तिथि: 7 अप्रैल 2017

670. बलधकेल कटौज- शब्द संख्या: 2100, तिथि: 11 अप्रैल 2017

671. जारैनक दुख मेटा गेल- शब्द संख्या: 2465, तिथि: 17 अप्रैल 2017

672. पढ़ल सुगा बौक- शब्द संख्या: 3775, तिथि: 26 अप्रैल 2017

673. हरवाहि- शब्द संख्या: 2784, तिथि: मजदूर दिवस (01 मई) 2017

674. क्रान्तियोग- शब्द संख्या: 3432, तिथि: 13 मई 2017

675. उचितवक्ता- शब्द संख्या: 3461, तिथि: 19 मई 2017

676. खेतक बँटवारा- शब्द संख्या: 3607, तिथि: 24 मई 2017

677. विघटन- शब्द संख्या: 3419, तिथि: 31 मई 2017

678. टुटल मनक जुटान- शब्द संख्या: 3456, तिथि: 06 जून 2017

679. बाबा बेलेश्वरनाथ- शब्द संख्या: 2420, तिथि: 11 जून 2017

680. भुतलग्गू आकि भविसलग्गू- शब्द संख्या: 2465, तिथि: 23 जून 2017

681. मर्माहत- शब्द संख्या: 2509, तिथि: 29 जून 2017

682. गुणहीन- शब्द संख्या: 3138, तिथि: 6 जुलाई 2017

683. समझौता- शब्द संख्या: 2280, तिथि: 13 जुलाई 2017

684. जेकर चुन तेकर पुन- शब्द संख्या: 2696, तिथि: 19 जुलाई 2017

685. त्रिकालदर्शी- शब्द संख्या: 2841, तिथि: 25 जुलाई 2017

686. नमहर फेरा- शब्द संख्या: 2902, तिथि: 29 जुलाई 2017

687. आशापर पानि पड़ल- शब्द संख्या: 2391, तिथि: 02 अगस्त 2017

688. कोढ़िया सरधुआ- शब्द संख्या: 2279, तिथि: 06 अगस्त 2017
689. बेटपन- शब्द संख्या: 3054, तिथि: 11 अगस्त 2017
690. छातीक हार- शब्द संख्या: 2291, तिथि: 16 अगस्त 2017
691. उमेरक लेहाज- शब्द संख्या: 2986, तिथि: 22 अगस्त 2017
692. पैंतीस साल पछुआ गेलौं- शब्द संख्या: 2472, तिथि: 05 सितम्बर 2017
693. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- एक: श. सं.: 1630, तिथि: 14 सितम्बर 2017
694. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- दू: श. सं.: 2878, 18 सितम्बर 2017
695. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- तीन: श. सं.: 2318, 22 सितम्बर 2017
696. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- चारि: श. सं.: 2239, 26 सितम्बर 2017
697. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- पाँच: श. सं.: 1903, 29 सितम्बर 2017
698. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- छह: श. सं.: 2450, 03 अक्टुबर 2017
699. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- सात: श. सं.: 2040, 07 अक्टुबर 2017
700. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- आठ: श. सं.: 2403, 12 अक्टुबर 2017
701. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- नअ: श. सं.: 5046, 19 अक्टुबर 2017
702. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- दस: श. सं.: 794, 19 अक्टुबर 2017
703. पुरान साड़ी- शब्द संख्या: शब्द संख्या: 2453, तिथि: 24 अक्टूबर 2017
704. गाम बिसैर गेल- शब्द संख्या: 2482, तिथि: 28 अक्टूबर 2017
705. ऐँठ साड़ी- शब्द संख्या: 2925, तिथि: 01 नवम्बर 2017
706. लहसन- एक: शब्द संख्या: 3169, तिथि: 10 नवम्बर 2017
707. किछु ने फुरैए- शब्द संख्या: 2095, तिथि: 12 नवम्बर 2017
708. लहसन- दू: शब्द संख्या: 2031, तिथि: 17 नवम्बर 2017
709. महिरम- शब्द संख्या: 1984, तिथि: 20 नवम्बर 2017
710. लहसन- तीन: शब्द संख्या: 2592, तिथि: 25 नवम्बर 2017
711. बेर परहक भदवा- शब्द संख्या: 2726, तिथि: 29 नवम्बर 2017
712. लहसन- चारि: शब्द संख्या: 2562, तिथि: 4 दिसम्बर 2017
713. सड़क-कातक खेत- शब्द संख्या: 2722, तिथि: 10 दिसम्बर 2017
714. दोहरी हाक- शब्द संख्या: 2700, तिथि: 21 दिसम्बर 2017
715. लहसन- पाँच: शब्द संख्या: 4691, तिथि: 30 दिसम्बर 2017

716. पाइक इज्जत- शब्द संख्या: 1999, तिथि: 05 जनवरी 2018

717. सेहन्ता- शब्द संख्या: 2014, तिथि: 11 जनवरी 2018

718. राक्षसक झड़- शब्द संख्या: 1649, तिथि: 15 जनवरी 2018

719. बेरपर- शब्द संख्या: 2585, तिथि: 19 जनवरी 2018

720. केकरा-ले केलौं- शब्द संख्या: 2649, तिथि: 23 जनवरी 2018

721. स्वाभिमानी जिनगी- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 28 जनवरी 2018

722. बाबाक बाग-बगिया- शब्द संख्या: 3089, तिथि: 3 फरवरी 2018

723. अब-तब- शब्द संख्या: 2076, तिथि: 7 फरवरी 2018

724. अगिलह- शब्द संख्या: 2472, तिथि: 11 फरवरी 2018

725. लहसन- छह: शब्द संख्या: 2240, तिथि: 15 फरवरी 2018

726. लहसन- सात: शब्द संख्या: 1026, तिथि: 18 फरवरी 2018

727. लहसन- आठ: शब्द संख्या: 2220, तिथि: 22 फरवरी 2018

728. लहसन- नअ: शब्द संख्या: 2015, तिथि: 25 फरवरी 2018

729. कुकुरपन- शब्द संख्या: 2229, तिथि: 28 फरवरी 2018

730. हेराएल जिनगी- शब्द संख्या: 3107, तिथि: 5 मार्च 2018

731. आशापर पानि फेर गेल- शब्द संख्या: 2447, तिथि: 9 मार्च 2018

732. देखल दिन- शब्द संख्या: 2592, तिथि: 27 मार्च 2018

733. इज्जत उतैर गेल- शब्द संख्या: 1905, तिथि: 30 मार्च 2018

734. संकट- शब्द संख्या: 2595, तिथि: 4 अप्रैल 2018

735. एकतीस मार्च- शब्द संख्या: 2814, तिथि: 10 अप्रैल 2018

736. गेल माघ उनतीस दिन बॉकी- शब्द संख्या: 2391, तिथि: 15 अप्रैल 2018

737. बापक चलैत- शब्द संख्या: 2606, तिथि: 20 अप्रैल 2018

738. बेटाक चलैत- शब्द संख्या: 2889, तिथि: 25 अप्रैल 2018

739. प्रवल इच्छा- शब्द संख्या: 2301, तिथि: 30 अप्रैल 2018

740. पंगु- एक: शब्द संख्या: 6478, तिथि: 11 मई 2018

741. पंगु- दू: शब्द संख्या: 2156, तिथि: 15 मई 2018

742. पंगु- तीन: शब्द संख्या: 2092, तिथि: 21 मई 2018

743. पंगु- चारि: शब्द संख्या: 2177, तिथि: 24 मई 2018

744. पंगु- पाँच: शब्द संख्या: 2492, तिथि: 27 मई 2018
745. पंगु- छह: शब्द संख्या: 1853, तिथि: 30 मई 2018
746. पंगु- सात: शब्द संख्या: 911, तिथि: 02 जून 2018
747. पंगु- आठ: शब्द संख्या: 1945, तिथि: 4 जून 2018
748. पंगु- नअ: शब्द संख्या: 935, तिथि: 6 जून 2018
749. ठका गेलौं- शब्द संख्या: 2052, तिथि: 18 जून 2018
750. हारि-जीत- शब्द संख्या: 3190, तिथि: 24 जून 2018
751. पनचैती पनपना गेल- शब्द संख्या: 1095, तिथि: 27 जून 2018
752. कुघाटक मृत्यु- शब्द संख्या: 1608, तिथि: 01 जुलाई 2018
753. एक तम्मा सिदहा- शब्द संख्या: 2014, तिथि: 5 जुलाई 2018
754. कियो ने पुछैए- शब्द संख्या: 1584, तिथि: 9 जुलाई 2018
755. केकरो कियो ने- शब्द संख्या: 718, तिथि: 11 जुलाई 2018
756. गपक पियाहुल लोक- शब्द संख्या: 1420, तिथि: 13 जुलाई 2018
757. उदय-प्रलय- शब्द संख्या: 1574, तिथि: 15 जुलाई 2018
758. हमरा नीक नहि लगैए- शब्द संख्या: 1458, तिथि: 19 जुलाई 2018
759. भारीपन भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1471, तिथि: 21 जुलाई 2018
760. मानसरोवरक यात्रा- शब्द संख्या: 2576, तिथि: 31 जुलाई 2018
761. करतब- शब्द संख्या: 2132, तिथि: 04 अगस्त 2018
762. आमक गाछी- एक: शब्द संख्या: 3068, तिथि: 10 अगस्त 2018
763. आमक गाछी- दू: शब्द संख्या: 3553, तिथि: 17 अगस्त 2018
764. आमक गाछी- तीन: शब्द संख्या: 2484, तिथि: 22 अगस्त 2018
765. आमक गाछी- चारि: शब्द संख्या: 2291, तिथि: 28 अगस्त 2018
766. आमक गाछी- पाँच: शब्द संख्या: 2185, तिथि: 02 सितम्बर 2018
767. आमक गाछी- छह: शब्द संख्या: 4701, चोरा चान 12 सितम्बर 2018
768. आमक गाछी- सात: शब्द संख्या: 1805, तिथि: 15 सितम्बर 2018
769. अनचोकक अन्हार- शब्द संख्या: 924, तिथि: 19 सितम्बर 2018
770. आमक गाछी, आठ- शब्द संख्या: 1917, तिथि: 25 सितम्बर 2018
771. अपन बुधियारी अपने खेलक- शब्द संख्या: 1897, ति.: 23 सितम्बर 2018

772. आमक गाछी, नअ- शब्द संख्या: 1914, तिथि: 30 सितम्बर 2018
773. चटवाह- शब्द संख्या- 2134, तिथि: 4 अक्टूबर 2018
774. भगैतिया- शब्द संख्या: 2177, तिथि: 8 अक्टूबर 2018
775. अधमरू साँपक फुफकार- शब्द संख्या: 2196, तिथि: 12 अक्टूबर 2018
776. यादास्त- शब्द संख्या: 1870, तिथि: 15 अक्टूबर 2018
777. हमर मेला चोरि भऽ गेल- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 19 अक्टूबर 2018
778. गरदैन हलैल गेल- शब्द संख्या: 1922, तिथि: 23 अक्टूबर 2018
779. दिवालीक दीप- शब्द संख्या: 2422, तिथि: 29 अक्टूबर 2018
780. हारि केना मानब- शब्द संख्या: 2054, तिथि: 02 नवम्बर 2018
781. अप्पन गाम- शब्द संख्या: 1940, तिथि: 06 नवम्बर 2018
782. परिछन- शब्द संख्या: 2661, तिथि: 11 नवम्बर 2018
783. झूठ सपना- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 15 नवम्बर 2018
784. जिनगीक अन्तिम फल- शब्द संख्या: 2530, तिथि: 19 नवम्बर 2018
785. चरणबाबूक टैक्सी- शब्द संख्या: 2381, तिथि: 24 नवम्बर 2018
786. पुस्तकालय- शब्द संख्या: 2333, तिथि: 29 नवम्बर 2018
787. विचारभेद- शब्द संख्या: 2553, तिथि: 04 दिसम्बर 2018
788. एकरवा बानर- शब्द संख्या: 2793, तिथि: 09 दिसम्बर 2018
789. फकीरबा स्थान- शब्द संख्या: 2759, तिथि: 14 दिसम्बर 2018
790. रंगमे भंग- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 20 दिसम्बर 2018
791. खिलतोड़ भूमि- शब्द संख्या: 2590, तिथि: 17 जनवरी 2019
792. बैगनक बगान बनरा गेल, तूँ मुँह तकै छह- श. 2590, ति. 22 जनवरी 2019
793. मटरक अजोह दाना- शब्द संख्या: 3473, तिथि: 03 फरवरी 2019
794. फुइसिक रग्गड़- शब्द संख्या: 2225, तिथि: 07 फरवरी 2019
795. उखमज- शब्द संख्या: 3964, तिथि: 16 फरवरी 2019
796. एकभग्गू बेटा- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 19 फरवरी 2019
797. अगुताइ भेल- शब्द संख्या: 1054, तिथि: 22 फरवरी 2019
798. थैंक्यू पापा- शब्द संख्या: 965, तिथि: 24 फरवरी 2019
799. किसुनपुराक हाट- शब्द संख्या: 995, तिथि: 25 फरवरी 2019

800. धनखेतीक बैगन- शब्द संख्या: 1051, तिथि: 28 फरवरी 2019

801. चितवनक शिकार- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 02 मार्च 2019

802. बुढ़ भेलौं तँ दुइर गेलौं- शब्द संख्या: 1086, तिथि: 04 मार्च 2019

803. धुआ साड़ी- शब्द संख्या: 1132, तिथि: 06 मार्च 2019

804. राजरोग- शब्द संख्या: 1274, तिथि: 10 मार्च 2019

805. संकल्प- शब्द संख्या: 1520, तिथि: 12 मार्च 2019

806. एकटा नमहर दुख मेटा गेल- शब्द संख्या: 1349, तिथि: 15 मार्च 2019

807. काजक मोल- शब्द संख्या: 1090, तिथि: 16 मार्च 2019

808. एतए बसव कठिन अछि- शब्द संख्या: 1010, तिथि: 19 मार्च 2019

809. स्वनिर्मित जिनगी- शब्द संख्या: 1091, तिथि: 22 मार्च 2019

810. कपटलालक मृत्यु- शब्द संख्या: 987, तिथि: 25 मार्च 2019

811. गामक ढहल समाज- शब्द संख्या: 966, तिथि: 27 मार्च 2019

812. लजगर लोक- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 29 मार्च 2019

813. खरिहाँन उपैट गेल- शब्द संख्या: 1218, तिथि: 02 अप्रैल 2019

814. पगलपन- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 04 अप्रैल 2019

815. छलाननक सराध- शब्द संख्या: 996, तिथि: 06 अप्रैल 2019

816. छाती बज्जर केलौं- शब्द संख्या: 1402, तिथि: 08 अप्रैल 2019

817. नाँहकमे दोख- शब्द संख्या: 1463, तिथि: 16 अप्रैल 2019

818. सग्गा पिऔज- शब्द संख्या: 1530, तिथि: 20 अप्रैल 2019

819. गाछसँ नमहर फड़- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 22 अप्रैल 2019

820. जिनगीमे जान आएल- शब्द संख्या: 1198, तिथि: 25 अप्रैल 2019

821. जे संग नइ औत ओकरा संग नइ जेबै- श.सं.: 1080, ति.: 26 अप्रैल 2019

822. चौरस खेतक चौरस उपज- शब्द संख्या: 998, तिथि: 29 अप्रैल 2019

823. सिकिया नेता- शब्द संख्या: 1023, तिथि: मजदूर दिवस, 2019

824. मुँह खुजिते नाक कटि गेल- शब्द संख्या: 1475, तिथि: 04 मई 2019

825. जेकरे भर तेकरे डर- शब्द संख्या: 1214, तिथि: 06 मई 2019

826. ललियाएल चेहरा करियाएल मन- शब्द संख्या: 1194, तिथि: 09 मई 2019

827. पुरुखक भर- शब्द संख्या: 1109, तिथि: 12 मई 2019

828. भकमोड़मे पड़ि गेलौं- शब्द संख्या: 1411, तिथि: 15 मई 2019

829. अपन इमान मरि गेल- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 17 मई 2019

830. गामक रूप बदैल देब- शब्द संख्या: 1004, तिथि: 19 मई 2019

831. कुभेला- शब्द संख्या: 992, तिथि: 21 मई 2019

832. देखौंस- शब्द संख्या: 945, तिथि: 23 मई 2019

833. समयसँ पहिने चेत किसान- शब्द संख्या: 1326, तिथि: 25 मई 2019

834. काजक मेहपन- शब्द संख्या: 947, तिथि: 27 मई 2019

835. पनरह किलोक कदीमा- शब्द संख्या: 941, तिथि: 29 मई 2019

836. फेर नढ़रो बेल तर जेती- शब्द संख्या: 1553, तिथि: 01 जून 2019

837. काजक धुनि- शब्द संख्या: 1065, तिथि: 03 जून 2019

838. सोरहामे सुर्रा लगि गेल- शब्द संख्या: 1618, तिथि: 06 जून 2019

839. अगराही- शब्द संख्या: 944, तिथि: 08 जून 2019

840. जेकरे-ले चोरि केलौं सएह कहैए चोरा- श.सं.: 1556, तिथि: 11 जून 2019

841. भौक- शब्द संख्या: 1403, तिथि: 14 जून 2019

842. मनतरक पावर- शब्द संख्या: 1598, तिथि: 17 जून 2019

843. हाल-चाल- शब्द संख्या: 1519, तिथि: 20 जून 2019

844. अधमरु साँपक डँस- शब्द संख्या: 1525, तिथि: 23 जून 2019

845. के मानत?- शब्द संख्या: 1721, तिथि: 29 जून 2019

846. दियादीक फेड़- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 03 जुलाई 2019

847. वाह रे आदत- शब्द संख्या: 1455, तिथि: 06 जुलाई 2019

848. कटबी सुइद- शब्द संख्या: 1435, तिथि: 09 जुलाई 2019

849. तिलकौआ छत्ता- शब्द संख्या: 1948, तिथि: 13 जुलाई 2019

850. अपने जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1539, तिथि: 16 जुलाई 2019

851. कलेश- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 20 जुलाई 2019

852. गामक आशा टुटि गेल- शब्द संख्या: 2338, तिथि: 24 जुलाई 2019

853. आब इज्जत नइ बँचत- शब्द संख्या: 2046, तिथि: 28 जुलाई 2019

854. अँगनाक बीरार- शब्द संख्या: 1856, तिथि: 31 जुलाई 2019

855. भेँट-घाँट- शब्द संख्या: 1884, तिथि: 03 अगस्त 2019

856. कोसा- शब्द संख्या: 1999, तिथि: 07 अगस्त 2019

857. दहेजक गाए- शब्द संख्या: 2076, तिथि: 15 अगस्त 2019

858. चलती- शब्द संख्या: 1770, तिथि: 18 अगस्त 2019

859. तीन बुड़िवान- शब्द संख्या: 1901, तिथि: 21 अगस्त 2019

860. एकाधिकारी जाति- शब्द संख्या: 2198, तिथि: 24 अगस्त 2019

861. अपन करखन्ना- शब्द संख्या: 1704, तिथि: 28 अगस्त 2019

862. लड़कपन- शब्द संख्या: 2150, तिथि: 03 अक्टूबर 2019

863. कुदृष्टि- शब्द संख्या: 2435, तिथि: 08 अक्टूबर 2019

864. हकार- शब्द संख्या: 2012, तिथि: 16 अक्टूबर 2019

865. दलखिच्चड़मे घी- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 25 अक्टूबर 2019

866. दोहरी दहार- शब्द संख्या: 2154, तिथि: 02 नवम्बर 2019

867. पसेनाक मोल- शब्द संख्या: 1748, तिथि: 06 नवम्बर 2019

868. बुढ़ापा- शब्द संख्या: 2122, तिथि: 10 नवम्बर 2019

869. पुरना घराड़ी- शब्द संख्या: 2092, तिथि: 14 नवम्बर 2019

870. जगरनथिया भोज- शब्द संख्या: 2416, तिथि: 18 नवम्बर 2019

871. कृषियोग- शब्द संख्या- शब्द संख्या: 2010, तिथि: 22 नवम्बर 2019

872. काजक रोप- शब्द संख्या: 2679, तिथि: 21 दिसम्बर 2019

873. खटसमाद- शब्द संख्या: 2909, तिथि: 27 दिसम्बर 2019

874. जीबठपन- शब्द संख्या: 2577, तिथि: 02 जनवरी 2020

875. गोटी लाल- शब्द संख्या: 2364, तिथि: 06 जनवरी 2020

876. अपनाकेँ चिन्हैत चलिहह- शब्द संख्या: 2361, तिथि: 11 जनवरी 2020

877. दहेज- शब्द संख्या: 2431, तिथि: 15 जनवरी 2020

878. जेहेन मति तेहेन गति- शब्द संख्या: 2630, तिथि: 21 जनवरी 2020

879. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 2660, तिथि: 31 जनवरी 2020

880. अपन कर्तव्य आकि उपकार- शब्द संख्या: 2410, तिथि: 05 फरवरी 2020

881. जिनगी भौर भेलह हेन- शब्द संख्या: 2789, तिथि: 10 फरवरी 2020

882. वसन्त पंचमी- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 16 फरवरी 2020

883. चुटका सुतरल- शब्द संख्या: 2445, तिथि: 21 फरवरी 2020

884. हारल चेहरा जीतल रूप- शब्द संख्या: 2255, तिथि: 25 फरवरी 2020
885. अग्नि परीछा- शब्द संख्या: 3097, तिथि: 01 मार्च 2020
886. आसीरवचन- शब्द संख्या: 2564, तिथि: 06 मार्च 2020
887. दहिबरी- शब्द संख्या: 2560, तिथि: 12 मार्च 2020
888. सघन बन- शब्द संख्या: 2697, तिथि: 17 मार्च 2020
889. हुसैत लोक- शब्द संख्या: 2602, तिथि: 23 मार्च 2020
890. हुसि गेलौं- शब्द संख्या: 2574, तिथि: 28 मार्च 2020
891. झूठक झालि- शब्द संख्या: 2352, तिथि: 01 अप्रैल 2020
892. दुष्टपन- शब्द संख्या: 2317, तिथि: 06 अप्रैल 2020
893. रहै जोकर परिवार- शब्द संख्या: 2297, तिथि: 15 अप्रैल 2020
894. परिपक्व निरलज- शब्द संख्या: 2232, तिथि: 20 अप्रैल 2020
895. अप्पन काज अपने चिन्हू- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 24 अप्रैल 2020
896. लजाउ काज- शब्द संख्या: 2394, तिथि: 02 मई 2020
897. सुचिता- एक: शब्द संख्या: 4352, तिथि: 30 मई 2020
898. सुचिता- दू: शब्द संख्या: 4459, तिथि: 08 जून 2020
899. सुचिता- तीन: शब्द संख्या: 4672, तिथि: 15 जून 2020
900. सुचिता- चारि: शब्द संख्या: 4022, तिथि: 02 जुलाई 2020
901. सुचिता- पाँच: शब्द संख्या: 2757, तिथि: 08 जुलाई 2020
902. सुचिता- छह: शब्द संख्या: 3188, तिथि: 14 जुलाई 2020
903. सुचिता- सात: शब्द संख्या: 4483, तिथि: 24 जुलाई 2020
904. सीमावद्ध जीवन- शब्द संख्या: 2420, तिथि: 01 अगस्त 2020
905. कर्ताक रंग कर्मक संग- शब्द संख्या: 2757, तिथि: 06 अगस्त 2020
906. जिनगीक हिसाब- शब्द संख्या: 2711, तिथि: 11 अगस्त 2020
907. अपना जनैत- शब्द संख्या: 2881, तिथि: 16 अगस्त 2020
908. सुदृढ़ जिनगी- शब्द संख्या: 3460, तिथि: 23 अगस्त 2020
908. मुराम जगह- शब्द संख्या: 3575, तिथि: 31 अगस्त 2020
909. गामक सूरत बदैल गेल: शब्द संख्या: 3340, तिथि: 07 सितम्बर 2020
910. दोसर रस्ता नहि- शब्द संख्या: 2808, तिथि: 13 सितम्बर 2020

911. विचारधाराक भथान- शब्द संख्या: 2659, तिथि: 19 सितम्बर 2020
912. परिवार बिलैट गेल- शब्द संख्या: 3132, तिथि: 26 सितम्बर 2020
913. अनचोकक इजोत- शब्द संख्या: 3339, तिथि: 03 अक्टूबर 2020
914. केलहा सभ पानिमे गेल- शब्द संख्या: 3199, तिथि: 09 अक्टूबर 2020
915. पएर तरक धरती डोलि गेल- शब्द संख्या: 2346, तिथि: 15 अक्टूबर 2020
916. जबुरिया कागज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 22 अक्टूबर 2020
917. बेटाक बिआह- शब्द संख्या: 3734, तिथि: 30 अक्टूबर 2020
918. जीवनमे जान आएल- शब्द संख्या: 3325, तिथि: 06 नवम्बर 2020
919. पोसलाक फल- शब्द संख्या: 3039, तिथि: 12 नवम्बर 2020
920. अन्तिम परीक्षा- शब्द संख्या: 2933, तिथि: 18 नवम्बर 2020
921. गाम आब ओ गाम रहल! - शब्द संख्या: 3038, तिथि: 24 नवम्बर 2020
922. जिनकर जीत तिनकर माला- शब्द सं.: 3025, तिथि: 30 नवम्बर 2020
923. नवका लोक: शब्द संख्या- 3215, तिथि: 06 दिसम्बर 2020
924. काजक उत्तर काज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 12 दिसम्बर 2020
925. घरक खर्च- शब्द संख्या: 3731, तिथि: 19 दिसम्बर 2020
926. समाजक भागे- शब्द संख्या: 3338, तिथि: 25 दिसम्बर 2020
927. बाबा हाथक कोदारि हल्लुक- शब्द संख्या: 4091, तिथि: 02 जनवरी 2021
928. परिवारक विघटन- शब्द संख्या: 2143, तिथि: 07 जनवरी 2021
929. हारल विचार- शब्द संख्या: 3657, तिथि: 14 जनवरी 2021
930. मोड़पर- एक: शब्द संख्या: 4422, तिथि: 25 जनवरी 2021
931. मोड़पर- दू: शब्द संख्या: 3734, तिथि: 01 फरवरी 2021
932. मोड़पर- तीन: शब्द संख्या: 3157, तिथि: 08 फरवरी 2021
933. मोड़पर- चारि: शब्द संख्या: 4844, तिथि: 19 फरवरी 2021
934. मोड़पर- पाँच: शब्द संख्या: 6382, तिथि: 06 मार्च 2021
935. मोड़पर- छह: शब्द संख्या: 2150, तिथि: 10 मार्च 2021
936. मोड़पर- सात: शब्द संख्या: 788, तिथि: 11 मार्च 2021
937. मोड़पर- आठ: शब्द संख्या: 927, तिथि: 12 मार्च 2021
938. मोड़पर- नअ: शब्द संख्या: 1127, तिथि: 14 मार्च 2021

939. मोड़पर- दस: शब्द संख्या: 585, तिथि: 15 मार्च 2021
940. मोड़पर- एगारह: शब्द संख्या: 265, तिथि: 16 मार्च 2021
941. संकल्प- एक: शब्द संख्या: 2988, तिथि: 25 मार्च 2021
942. संकल्प- दू: शब्द संख्या: 1903, तिथि: 29 मार्च 2021
943. संकल्प- तीन: शब्द संख्या: 3101, तिथि: 04 अप्रैल 2021
944. संकल्प- चारि: शब्द संख्या: 3197, तिथि: 10 अप्रैल 2021
945. संकल्प- पाँच: शब्द संख्या: 3202, तिथि: 17 अप्रैल 2021
946. संकल्प- छह: शब्द संख्या: 2026, तिथि: 21 अप्रैल 2021
947. संकल्प- सात: शब्द संख्या: 3139, तिथि: 29 अप्रैल 2021
948. संकल्प- आठ: शब्द संख्या: 2440, तिथि: 04 मई 2021
949. संकल्प- नअ: शब्द संख्या: 2368, तिथि: 08 मई 2021
950. संकल्प- दस: शब्द संख्या: 3977, तिथि: 15 मई 2021
951. अन्तिम क्षण- एक: शब्द संख्या: 2874, तिथि: 20 मई 2021
952. अन्तिम क्षण- दू: शब्द संख्या: 6126, तिथि: 04 जून 2021
953. अन्तिम क्षण- तीन: शब्द संख्या: 3669, तिथि: 12 जून 2021
954. अन्तिम क्षण- चारि: शब्द संख्या: 5817, तिथि: 24 जून 2021
955. अन्तिम क्षण- पाँच: शब्द संख्या: 4916, तिथि: 04 जुलाई 2021
956. परिवारे गजपटा गेल: शब्द संख्या: 1881, तिथि: 09 जुलाई 2021
957. समयक थपेड़मे- शब्द संख्या: 1798, तिथि: 14 जुलाई 2021
958. की सत्त की फुइस?- शब्द संख्या: 1793, तिथि: 17 जुलाई 2021
959. कुभाँज समयक भाँजमे- शब्द संख्या: 1671, तिथि: 21 जुलाई 2021
960. देखल गाम- शब्द संख्या: 1737, तिथि: 25 जुलाई 2021
961. अपना ले- शब्द संख्या: 1903, तिथि: 03 अगस्त 2021
962. तीन धक्का- शब्द संख्या: 1759, तिथि: 06 अगस्त 2021
963. अजीब खेल- शब्द संख्या: 2362, तिथि: 20 अगस्त 2021
964. नीक ठकान ठकेलौं- शब्द संख्या: 2798, तिथि: 25 अगस्त 2021
965. केकरो भरोस- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 31 अगस्त 2021
966. बाड़ी भेल धनहर- शब्द संख्या: 1820, तिथि: 04 सितम्बर 2021

967. कुण्ठा- एक: शब्द संख्या: 2284, तिथि: 15 सितम्बर 2021
968. कुण्ठा- दू: शब्द संख्या: 2150, तिथि: 23 सितम्बर 2021
969. कुण्ठा- तीन: शब्द संख्या: 1324, तिथि: 29 सितम्बर 2021
970. कुण्ठा- चारि: शब्द संख्या: 4458, तिथि: 10 अक्टूबर 2021
971. कुण्ठा- पाँच: शब्द संख्या: 2673, तिथि: 18 अक्टूबर 2021
972. कुण्ठा- छह: शब्द संख्या: 2852, तिथि: 24 अक्टूबर 2021
973. कुण्ठा- सात: शब्द संख्या: 1901, तिथि: 18 अक्टूबर 2021
974. कुण्ठा- आठ: शब्द संख्या: 1948, तिथि: 01 नवम्बर 2021
975. कुण्ठा- नअ: शब्द संख्या: 1901, तिथि: 05 नवम्बर 2021
976. कुण्ठा- दस: शब्द संख्या: 2022, तिथि: 09 नवम्बर 2021
977. सुद्दढ़ जीवन- शब्द संख्या: 2587, तिथि: 14 नवम्बर 2021
978. सागवानक बागवानी- शब्द संख्या: 2369, तिथि: 05 दिसम्बर 2021
979. बिनु खुट्टाक गाए- शब्द संख्या: 2191, तिथि: 10 दिसम्बर 2021
980. जीवनक कर्म जीवनक मर्म- शब्द संख्या: 2893, तिथि: 16 दिसम्बर 2021
981. घरैया मूस- शब्द संख्या: 2791, तिथि: 22 दिसम्बर 2021
982. टुटि कऽ खसि पड़लैन- शब्द संख्या: 2182, तिथि: 29 दिसम्बर 2021
983. मृत्युसजियापर पड़ल विवेक बाबा- शब्द सं.: 2294, ति.: 03 जनवरी 2022
984. संचरण- शब्द संख्या: 2477, तिथि: 08 जनवरी 2022
985. जिनगीसँ प्रेम- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 14 जनवरी 2022
986. परिवारे बगैद गेल- शब्द संख्या: 2299, तिथि: 21 फरवरी 2022
987. जिनगी पिछैड़ गेल- शब्द संख्या: 2859, तिथि: 02 मार्च 2022
988. श्रमहीन- शब्द संख्या: 3105, तिथि: 08 मार्च 2022
989. समुद्रलंघन- शब्द संख्या: 3274, तिथि: 21 मार्च 2022
990. परिवारक भार- शब्द संख्या: 2402, तिथि: 28 मार्च 2022
991. हीन-हीनाइत विवेक- शब्द संख्या: 2347, तिथि: 02 अप्रैल 2022
992. चेहराक निखार- शब्द संख्या: 2496, तिथि: 06 अप्रैल 2022
993. भरि मन काज- शब्द संख्या: 2281, तिथि: 12 अप्रैल 2022
994. विचारे मरि गेल- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 21 अप्रैल 2022

995. मृत्युक भय मेटा गेल- शब्द संख्या: 2536, तिथि: 26 अप्रैल 2022
996. घरक बात- शब्द संख्या: 2686, तिथि: 01 मई (मजदूर दिवस) 2022
997. अप्पन दलान- शब्द संख्या: 2480, तिथि: 06 मई 2022
998. कंजूसपन- शब्द संख्या: 2589, तिथि: 11 मई 2022
999. आएल आशा चलि गेल- शब्द संख्या: 1478, तिथि: 15 मई 2022
1000. अकारण- शब्द संख्या: 1918, तिथि: 18 मई 2022
1001. अछोप- शब्द संख्या: 1590, तिथि: 21 मई 2022
1002. अप्पन बेइमानी- शब्द संख्या: 1560, तिथि: 24 मई 2022
1003. उनटन- शब्द संख्या: 1581, तिथि: 24 मई 2022
1004. अर्द्धांगिनी- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 30 मई 2022
995. बहवाँइर- शब्द संख्या: 1538, तिथि: 04 जून 2022
1006. पाक मास्टर- शब्द संख्या: 1387, तिथि: 07 जून 2022
1007. साइंस टीचर- शब्द संख्या: 1301, तिथि: 10 जून 2022
1008. इज्जत लऽ लेलक- शब्द संख्या: 1367, तिथि: 13 जून 2022
1009. निसगर पान- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 15 जून 2022
1010. विरोध- शब्द संख्या: 1452, तिथि: 19 जून 2022
1011. जीवन दान- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 26 जून 2022
1012. बाग-बगिया- शब्द संख्या: 1272, तिथि: 30 जून 2022
1013. विश्वास पात्र- शब्द संख्या: 1374, तिथि: 02 जुलाई 2022
1014. विचारक टिटकारी- शब्द संख्या: 1335, तिथि: 05 जुलाई 2022
1015. लत- शब्द संख्या: 1375, तिथि: 08 जुलाई 2022
1016. जीवन खटाइमे पड़ि गेल- शब्द संख्या: 1220, तिथि: 11 जुलाई 2022
1017. कर्ज- शब्द संख्या: 1256, तिथि: 13 जुलाई 2022
1018. बहादुरी- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 16 जुलाई 2022
1019. हमरो खगता छै- शब्द संख्या: 1178, तिथि: 20 जुलाई 2022
1020. सपना- शब्द संख्या: 1241, तिथि: 23 जुलाई 2022
1021. संगे-संग एलौं संगिया मरि गेल हम भुतिआइ छी- श.: 1303, 26.7.2022
1022. उवाणि- शब्द संख्या: 1264, तिथि: 29 जुलाई 2022

1023. विचारक प्रबलता- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 01 अगस्त 2022
1024. अपन रचित रचना- शब्द संख्या: 1481, तिथि: 07 अगस्त 2022
1025. थाहल संगी- शब्द संख्या: 1331, तिथि: 10 अगस्त 2022
1026. आत्मबल- शब्द संख्या: 1267, तिथि: 13 अगस्त 2022
1027. विश्वासहीन- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 16 अगस्त 2022
1028. बुलन्दी- शब्द संख्या: 1329, तिथि: 19 अगस्त 2022
1029. अप्पन साती- शब्द संख्या: 1287, तिथि: 22 अगस्त 2022
1030. खिच्चड़ि- शब्द संख्या: 1624, तिथि: 26 अगस्त 2022
1031. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1364, तिथि: 01 सितम्बर 2022
1032. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1357, तिथि: 01 सितम्बर 2022
1033. कनियैं-मनियैं पूँजी- शब्द संख्या: 1315, तिथि: शिक्षक दिवस 2022
1034. पुरुखढौह- शब्द संख्या: 1263, तिथि: 08 सितम्बर 2022
1035. सिमानक झगड़ा- शब्द संख्या: 1232, तिथि: 13 सितम्बर 2022
1036. जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1312, तिथि: 16 सितम्बर 2022
1037. परिवारक योग- शब्द संख्या: 1295, तिथि: 19 सितम्बर 2022
1038. मनुक्ख खौक- शब्द संख्या: 1183, तिथि: 25 सितम्बर 2022
1039. साहित्यकारक विवेक- शब्द संख्या: 1141, तिथि: 28 सितम्बर 2022
1040. भाषाक बेथा- शब्द संख्या: 1231, तिथि: 01 अक्टूबर 2022
1041. बुझबे ने केलिऐ- शब्द संख्या: 1227, तिथि: 05 अक्टूबर 2022
1042. जीवनक सम्बन्ध- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 08 अक्टूबर 2022
1043. गैंचाह लोक- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 11 अक्टूबर 2022
1044. जिनगीकैं पटैक भगलौं- शब्द संख्या: 1258, तिथि: 14 अक्टूबर 2022
1045. अन्तिम आशा- शब्द संख्या: 1365, तिथि: 17 अक्टूबर 2022
1046. गजपट मारि- शब्द संख्या: 1327, तिथि: 20 अक्टूबर 2022
1047. कन्हजोड़- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 23 अक्टूबर 2022
1048. अनहोनी- शब्द संख्या: 1308, तिथि: 26 अक्टूबर 2022
1049. होनी- शब्द संख्या: 1236, तिथि: 29 अक्टूबर 2022
1050. भवितव्य- शब्द संख्या: 1130, तिथि: 02 नवम्बर 2022

1051. ओसचट बीमारी: शब्द संख्या: 1260, तिथि: 05 नवम्बर 2022
1052. पुत्र परीक्षा: शब्द संख्या: 1286, तिथि: 09 नवम्बर 2022
1053. अप्पन मन बुझाएब- शब्द संख्या: 1294, तिथि: 12 नवम्बर 2022
1054. जड़ौर- शब्द संख्या: 1304, तिथि: 15 नवम्बर 2022
1055. अलोपित- शब्द संख्या: 1360, तिथि: 18 नवम्बर 2022
1046. कुमहरक बतिया- शब्द संख्या: 1240, तिथि: 21 नवम्बर 2022
1057. सिमानक आड़ि- शब्द संख्या: 1289, तिथि: 26 नवम्बर 2022
1058. नब बनक नब फल- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 30 नवम्बर 2022
1059. सुमारक- शब्द संख्या: 1246, तिथि: 04 दिसम्बर 2022
1060. अन्तिम भेँट- शब्द संख्या: 1277, तिथि: 08 दिसम्बर 2022
1061. अनहरिया- शब्द संख्या: 1356, तिथि: 12 दिसम्बर 2022
1062. निरन्तर- शब्द संख्या: 3025, तिथि: 21 दिसम्बर 2022
1063. शॉर्टकट रास्ता- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 26 दिसम्बर 2022
1064. अपेछा टुटि गेल- शब्द संख्या: 1739, तिथि: 30 दिसम्बर 2022
1065. सुनयना बेटी: 01- शब्द संख्या: 1728, तिथि: 05 जनवरी 2023
1066. सुनयना बेटी: 02- शब्द संख्या: 3540, तिथि: 14 जनवरी 2023
1067. सुनयना बेटी: 03- शब्द संख्या: 3722, तिथि: 25 जनवरी 2023
1068. सुनयना बेटी: 04- शब्द संख्या: 1987, तिथि: 30 जनवरी 2023
1069. सुनयना बेटी: 05- शब्द संख्या: 3802, तिथि: 06 फरवरी 2023
1070. सुनयना बेटी: 06- शब्द संख्या: 1821, तिथि: 10 फरवरी 2023
1071. सुनयना बेटी: 07- शब्द संख्या: 925, तिथि: 12 फरवरी 2023
1072. सुनयना बेटी: 08- शब्द संख्या: 2999, तिथि: 18 फरवरी 2023
1073. सुनयना बेटी: 19- शब्द संख्या: 1926, तिथि: 22 फरवरी 2023
1074. सुनयना बेटी: 10- शब्द संख्या: 1953, तिथि: 26 फरवरी 2023
1075. आब नइ जीब- शब्द संख्या: 2097, तिथि: 2 मार्च 2023
1076. सेहन्ता सेहन्ते रहि गेल- शब्द संख्या: 2013, तिथि: 06 मार्च 2023
1077. धुरफन्ना लोक- शब्द संख्या: 1891, तिथि: 10 मार्च 2023
1078. घरदेखी- शब्द संख्या: 1846, तिथि: 14 मार्च 2023

1079. बासभूमि- शब्द संख्या: 2639, तिथि: 31 मार्च 2023
1080. इज्जत पर पड़ि गेल- शब्द संख्या: 2698, तिथि: 07 अप्रैल 2023
1081. अहीं जीतलौं- शब्द संख्या: 2884, तिथि: 13 अप्रैल 2023
1082. गामसँ गाए उपैट गेल- शब्द संख्या: 2454, तिथि: 20 अप्रैल 2023
1083. भारक बड़बड़िया- शब्द संख्या: 1727, तिथि: 24 अप्रैल 2023
1084. रूपैँ बदैल गेल- शब्द संख्या: 1736, तिथि: 28 अप्रैल 2023
1085. वंशक धर्म- शब्द संख्या: 1881, तिथि: 02 मई 2023
1086. उपराग- शब्द संख्या: 1358, तिथि: 05 मई 2023
1087. केकरा भगाउ आ केकरा बसाउ- शब्द संख्या: 1390, तिथि: 08 मई 2023
1088. खीरा लत्तीमे रोजगार- शब्द संख्या: 1377, तिथि: 11 मई 2023
1089. टकुआटान- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 19 मई 2023
1090. पोस्टमार्टम- शब्द संख्या: 1852, तिथि: 23 मई 2023
1091. ऐ सालक नाह बुड़ि गेल- शब्द संख्या: 1761, तिथि: 27 मई 2023
1092. सामंजस्य- शब्द संख्या: 1868, तिथि: 01 जून 2023
1093. महींसवारक गाम- शब्द संख्या: 1337, तिथि: 04 जून 2023
1094. दसअना छहअना- शब्द संख्या: 1243, तिथि: 07 जून 2023
1095. वाह रे हम- शब्द संख्या: 1291, तिथि: 10 जून 2023
1096. एक जूम तमाकुल- शब्द संख्या: 1290, तिथि: 13 जून 2023
1097. चपरासी गाम- शब्द संख्या: 1201, तिथि: 17 जून 2023
1098. बनरफाँस- शब्द संख्या: 1279, तिथि: 19 जून 2023
1099. हँस्सा ठक- शब्द संख्या: 1889, तिथि: 26 जून 2023
1100. विश्वासू मन- शब्द संख्या: 1724, तिथि: 30 जून 2023
1101. चोरनी पिल्ली- शब्द संख्या: 1883, तिथि: 04 जुलाई 2023
1102. गामक जमीने पथरा गेल- शब्द संख्या: 1837, तिथि: 08 जुलाई 2023
1103. एकलव्यपन- शब्द संख्या: 2087, तिथि: 14 जुलाई 2023
1104. केलहा साफल- शब्द संख्या: 2102, तिथि: 19 जुलाई 2023
1105. त्रिशुलपर लटकल गाम- शब्द संख्या: 2007, तिथि: 23 जुलाई 2023
1106. त्रिशंकु गाम- शब्द संख्या: 2151, तिथि: 28 जुलाई 2023

1107. चारिम कनियाँ- शब्द संख्या: 1995, तिथि: 01 अगस्त 2023
1108. वंश नाश- शब्द संख्या: 1988, तिथि: 06 अगस्त 2023
1109. लोक लाज- शब्द संख्या: 1781, तिथि: 10 अगस्त 2023
1110. धानक कमठौन- शब्द संख्या: 1580, तिथि: 30 अगस्त 2023
1111. एक चुटकी खुशी- शब्द संख्या: 2053, तिथि: 02 सितम्बर 2023
1112. अनका सिर- शब्द संख्या: 1801, तिथि: शिक्षक दिसव 2023
1113. समयक फेड़- शब्द संख्या: 1531, तिथि: 08 सितम्बर 2023
1114. कोढ़ि- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 11 सितम्बर 2023
1115. मुहाँ-ठुठ्ठी- शब्द संख्या: 1167, तिथि: 13 सितम्बर 2023
1116. औनाकऽ मरए लगलौं- शब्द संख्या: 1060, तिथि: 13 सितम्बर 2023
1117. जेहेन आँखि तेहेन पाँखि- शब्द संख्या: 1077, तिथि: 17 सितम्बर 2023
1118. चौरचनक केरा- शब्द संख्या: 1185, तिथि: 19 सितम्बर 2023
1119. सुख-दुख- शब्द संख्या: 1708, तिथि: 04 अक्टूबर 2023
1120. दुख-सुख- शब्द संख्या: 1629, तिथि: 07 अक्टूबर 2023
1121. जीवन की आ जीवनक उद्देश्य की- श. सं.: 1571, ति.: 10 अक्टूबर 2023
1122. अंधविश्वास- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 13 अक्टूबर 2023
1123. बखेरिया लोक- शब्द संख्या: 1528, तिथि: 16 अक्टूबर 2023
1124. नव जीवन- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 19 अक्टूबर 2023
1125. प्रीति- शब्द संख्या: 1610, तिथि: 19 अक्टूबर 2023
1126. पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1667, तिथि: 25 अक्टूबर 2023
1127. मन टँगि गेल- शब्द संख्या: 1702, तिथि: 28 अक्टूबर 2023
1128. नियति आ पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1714, तिथि: 31 अक्टूबर 2023
1129. जे ननू से गर्भहि ननू- शब्द संख्या: 1639, तिथि: 03 नवम्बर 2023
1130. पुरुखक डीह- शब्द संख्या: 1666, तिथि: 06 नवम्बर 2023
1131. पाशापर- शब्द संख्या: 1707, तिथि: 09 नवम्बर 2023
1132. संचरण- शब्द संख्या: 1743, तिथि: 14 नवम्बर 2023
1133. कंजूस- शब्द संख्या: 1636, तिथि: 17 नवम्बर 2023
1134. बाबाक पौती- शब्द संख्या: 1640, तिथि: 20 नवम्बर 2023

1135. भँसिया गेलौं- शब्द संख्या: 1614, तिथि: 23 नवम्बर 2023

1136. उबारि देलौं- शब्द संख्या: 1645, तिथि: 28 नवम्बर 2023

1137. श्रद्धा- शब्द संख्या: 1619, तिथि: 01 दिसम्बर 2023

1138. केकरोपर आश्रित- शब्द संख्या: 1641, तिथि: 04 दिसम्बर 2023

1139. समैया लुच्चा- शब्द संख्या: 1751, तिथि: 07 दिसम्बर 2023

1140. उकडू समयमे सुकडू काज: शब्द संख्या: 1773, तिथि: 10 दिसम्बर 2023

1141. मुक्ति: शब्द संख्या: 1875, तिथि: 14 दिसम्बर 2023

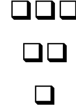
1142. मोनि फुटल धारमे: शब्द संख्या: 1854, तिथि: 18 दिसम्बर 2023

1143. मरैक बाटमे: शब्द संख्या: 1705, तिथि: 23 दिसम्बर 2023

1144. सिरगर लोक: शब्द संख्या: 1725, तिथि: 25 दिसम्बर 2023

1145. कलछप्पन: शब्द संख्या: 1899, तिथि: 25 दिसम्बर 2023

1146. छुट्टा लोक: जारी...



Notes